Daily
लोकसभा चुनाव - 2024
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 08 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 109 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	73,511.85
निफ्टी	:	22,302.50

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	88.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की बेल पर नहीं दिया फैसला

NEW DELHI : दिल्ली शराब नीति मामले में मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर फैसला सुनाए बिना सुप्रीम कोर्ट की बेंच उठ गई। सुबह साढ़े 10 बजे सुनवाई शुरू होने के बाद लंच से पहले तक कोर्ट ने जमानत की शर्तें तय कर ली थीं। हालांकि तब ईडी ने कहा कि केजरीवाल के वकील को 3 दिन सुना गया। हमें भी पर्याप्त समय दिया जाए। अदालत ने जमानत का विरोध कर रही ईडी से कहा कि चुनाव चल रहे हैं और केजरीवाल मौजूदा मुख्यमंत्री हैं। चुनाव 5 साल में सिर्फ एक बार आते हैं। अदालत ने केजरीवाल से कहा कि हम आपको जमानत दे देते हैं तो आप ऑफिशियल ड्यूटी नहीं करेंगे। हम नहीं चाहते कि आप सरकार में दखलअंदाजी करें। अगर चुनाव नहीं होते तो अंतरिम जमानत का सवाल ही नहीं उठता था। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- हम किसी फाइल पर साइन नहीं करेंगे। शर्त है कि एलजी किसी भी काम को इस आधार पर ना रोकें कि फाइल पर साइन नहीं है। ऐसा कुछ नहीं बोलूंगा, जो नुकसान पहुंचाने वाला हो।

पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति बने व्लादिमीर पुतिन

NEW DELHI : व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। मॉस्को के ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस में पुतिन ने 33 शब्दों में शपथ ली। यह वही जगह है, जहां रूस के जार परिवार के 3 राजाओं (एलेक्जेंडर 2, एलेक्जेंडर 3 और निकोलस 2) की ताजपोशी हुई थी। शपथ के बाद पुतिन ने कहा, रहम और मजबूत होंगे। हम उन देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करेंगे जो हमें दुश्मन समझते हैं। मैं जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा।

स्पेसक्राफ्ट में बैठ चुकी थीं सुनीता, टल गया मिशन

NEW DELHI : भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाला बोइंग का स्टारलाइनर मिशन टल गया। इसे यूएलए के एटलस वी रॉकेट से आज सुबह 8:04 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च किया जाना था। रॉकेट के ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में आई समस्या के कारण मिशन टला है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेसक्राफ्ट में सवार हो चुके थे, लेकिन इंजीनियर्स को चेक के दौरान रॉकेट की सेकेंड स्टेज में ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में समस्या मिली। ऐसे में टीम ने मिशन को लॉन्च से 2 घंटे 1 मिनट पहले टालने का फैसला लिया। बोइंग ने बताया कि डेटा एनालिसिस करने के बाद अब अगला लॉन्च 10 मई को हो सकता है।

लोकसभा चुनाव 2024 : 10 राज्यों व एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर हुआ मतदान

थर्ड फेज में 64 प्रतिशत हुई वोटिंग

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई। शाम 7 बजे तक चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 64.08% लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे ज्यादा 75%, सबसे कम महाराष्ट्र में 53% लोगों ने मतदान किया। इससे पहले शाम पांच बजे तक 63.77% वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 73.93% और सबसे कम महाराष्ट्र में 53.40% वोटिंग हुई थी। वहीं दोपहर तीन बजे तक 53.60% वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 63.11% वोटिंग हुई और सबसे कम महाराष्ट्र में 42.63% लोगों ने वोट डाले थे। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है।

मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतारबद्ध मतदाता।

पश्चिम बंगाल में भाजपा-तृणमूल समर्थकों में झड़प

पश्चिम बंगाल में मंगलवार को मुर्शिदाबाद के जंगीपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार धनंजय घोष की तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ झड़प हो गई। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के दौरान धनंजय घोष ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष ने उन्हें धमकी दी। उन्होंने कहा, मैं भाजपा उम्मीदवार के रूप में बूथ का दौरा कर रहा था और तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष ने मुझे धमकी दे दी। अगर किसी उम्मीदवार को इस तरह से खुलेआम धमकी दी जाती है, तो राज्य में आम लोगों की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। हम इस घटना की शिकायत चुनाव आयोग से करेंगे।

अहमदाबाद में मोदी ने किया मतदान यहां से चुनावी मैदान में हैं अमित शाह

AGENCY AHMEDABAD : मंगलवार को सुबह में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के राणीप स्थित निशाल स्कूल में मतदान किया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में लोकतंत्र के पर्व को उत्सव के रूप में मनाने की अपील की। उन्होंने गर्मी में भागदौड़ कर रहे मीडिया के साथियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने दो चरणों की चुनाव प्रक्रिया के शांतिपूर्ण होने, हिंसा की घटना नगण्य होने पर चुनाव आयोग समेत, सुरक्षा बल और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकारियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गर्मी में आप लोग दिन-रात दौड़ कर रहे हैं। आप अपने स्वास्थ्य की भी चिंता कीजिए। चुनाव के दिनों में पत्रकार साथियों को दिन-रात दौड़ना पड़ता है। मीडिया में कंपटिशन भी इतना है कि आपको समय से आगे दौड़ना पड़ता है। मैं तो यही प्रार्थना करूंगा आप सब पुराने साथियों को कि अपने स्वास्थ्य का जरूर ध्यान रखें। मैं हमेशा कहता हूं कि पानी बहुत पीना चाहिए। जितना ज्यादा पानी पीएंगे स्वास्थ्य के लिए भी ठीक रहेगा और एनर्जी भी मेंटेन रहती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे अहमदाबाद के राणीप में रेगुलर मतदाता हैं और यहां वे आकर मतदान करते हैं। अमित भाई यहां से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

मतदान के लिए बूथ पर जाते प्रधानमंत्री मोदी व साथ में अमित शाह।

गुमला में गरजे कांग्रेस नेता, हर ग्रेजुएट के खाते में सालाना जाएगा एक लाख

सुरक्षित करेंगे युवाओं का भविष्य : राहुल

PHOTON NEWS GUMLA : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चाईबासा के बाद गुमला जिले के बसिया के कोनबीर एनएचपीसी मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए लोहरदगा से कांग्रेस उम्मीदवार सुखदेव भगत के लिए वोट मांगे। साथ ही केंद्र में सरकार बनने पर नौकरी का अधिकार देने, ग्रेजुएट के खाते में हर साल एक लाख रुपये डालने और बेहतर काम करने वालों की नौकरी पक्की करने का वादा किया। राहुल गांधी ने कहा कि यदि उनकी सरकार बनती है तो वे युवाओं के लिए ऐसी योजना लाएंगे कि उनकी पहली नौकरी पक्की मिलेगी। ये नौकरी देश के अच्छे प्राइवेट संस्थानों में दी जाएगी। साथ ही कहा कि वे सेना से अग्निवीर योजना को खत्म करेंगे और सबके लिए एक जैसी नौकरी होगी। उन्होंने किसानों, आदिवासियों, महिलाओं और युवाओं के उत्थान की बात कही। साथ ही कहा कि जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों का पहला अधिकार है लेकिन भाजपा आपको वनवासी कहती है।

संबंधित खबर पेज 04 पर भी।

गुमला में चुनावी जनसभा को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

सेना से खत्म करेंगे अग्निवीर सिस्टम

राहुल गांधी ने कहा कि नोटबंदी, गलत जीएसटी और अग्निवीर सिस्टम से युवाओं का हक मारा गया है। हम सेना से अग्निवीर सिस्टम को खत्म करेंगे। अमीर परिवार के बच्चे जॉब मार्केट में जाने से पहले एक साल की नौकरी करते हैं। इसके बाद अच्छा काम करने पर उनकी नौकरी कंपनियों में पक्की हो जाती है। इससे सबक लेते हुए हम हर वर्ग के ग्रेजुएट युवाओं को पहली नौकरी का अधिकार देंगे।

सरकार बनी तो सरना कोड कर देंगे लागू

राहुल गांधी ने कहा कि आपको निर्णय लेना है कि अडानी और मोदी की सरकार बनानी है या किसान, गरीब, दलित, पिछड़ों की। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का आदिवासी समाज के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। इंदिरा गांधी हमेशा आदिवासी समाज की चिंता करती थीं। हमारी सरकार बनी तो सरना कोड लागू कर देंगे। साथ ही कहा कि दिल्ली में मैं आपका सैनिक हूं। आप मुझे बताओ। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा आदिवासियों की भाषा-संस्कृति को कुचलना चाहती है जबकि कांग्रेस उनकी उनका संरक्षण करना चाहती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में भी कई खामियां हैं।

2014 से हो रही है झूठ की खेती : मुख्यमंत्री

GUMLA : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा है कि 2014 से पूरे देश में झूठ की खेती हो रही है। बीजेपी ने झारखंड में सबसे ज्यादा शासन किया, लेकिन झारखंड को अलग दिशा में ले गए। सीएम मंगलवार को बसिया में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में पिछड़ेपन की जिम्मेदार बीजेपी है। रोजगार और आदिवासी मूलवासी कल्याण की बात नहीं करते। 10 साल से केवल जुमलेबाजी हो रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुये कहा कि पांच साल में मिला एक मौका नहीं गंवाना है। उन्हें सत्ता से बेदखल करना है। वे झारखंड के किसानों का हित नहीं सोचते। मुट्ठी भर पूंजीपति के लिए सरकार है। पीएम मोदी ने कभी नहीं सोचा कि आदिवासी अस्मिता कैसे बचेगी। परंपरा कैसे बचेगी। शिक्षा की व्यवस्था नहीं की। केवल जुमला ही इनका कार्य है। सीएम ने कहा कि यह चुनाव देश के लिए निर्णायक है। हम सब इंडिया गठबंधन के हैं। देश में तानाशाही है। लोकतंत्र को बचाना है।

पीएम मोदी ने विरोधियों पर साधा निशाना

विपक्ष तीसरे चरण में हो जाएगा अस्त : प्रधानमंत्री

AGENCY KHARGONE : मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के खरगोन और धार्मिक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। एक बार फिर कांग्रेस पर धर्म के नाम पर आरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक का उदाहरण देकर कांग्रेस और 'इंडी' अलायंस को घेरा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर की पीठ में छुरा घोंपा है। संविधान की पीठ में छुरा घोंपा है। उन्होंने कहा कि मुझे 400 सीटें चाहिए, ताकि मैं श 'इंडी' वालों की हर साजिश को रोक सकूं। मोदी ने जोर देकर कहा कि 4 जून को अब एक महीना भी नहीं बचा है। पहले चरण में विपक्ष पस्त पड़ गया था। दूसरे चरण में विपक्ष ध्वस्त हो गया था। आज तीसरे चरण के बाद जो इधर, उधर के टिमटमाते तारे दिखाते हैं, वो भी अस्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक मोदी जिंदा है।

एमपी में बोले मोदी

- कांग्रेस ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान की पीठ में घोंपा छुरा
- मुझे 400 सीटें चाहिए, ताकि मैं 'इंडी' वालों की हर साजिश को रोक सकूं

रेडवानी इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

जवानों ने मुठभेड़ में 3 आतंकियों को किया ढेर

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। मामले को लेकर एक अधिकारी की ओर से जो जानकारी दी गई है कि कुलगाम के रेडवानी इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। इसके बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार देर रात इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। बाद में मुठभेड़ में शुरू हो गई। इससे पहले मीडिया में खबर थी कि शीर्ष लश्कर कमांडर बासित अहमद डार को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है।

बंगाल में 25000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

NEW DELHI : पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में ममता सरकार को राहत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 25000 शिक्षकों की भर्ती रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने सीबीआई को केस की जांच जारी रखने का आदेश भी दिया। जांच एजेंसी से कहा कि इस दौरान कर्मचारी-उम्मीदवारों पर कोई एक्शन न ले। इससे पहले सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से कहा कि जांच एजेंसी से कहा कि इस दौरान कर्मचारी-उम्मीदवारों पर कोई एक्शन न ले। इससे पहले सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से कहा कि यह व्यवस्थागत धोखाधड़ी (सिस्टमैटिक फ्रॉड) है।

रांची में प्रवर्तन निदेशालय ने फिर की कार्रवाई, सात ठिकानों पर छापा

ठेकेदार के घर ईडी की रेड, डेढ़ करोड़ कैश जब्त

CRIME REPORTER RANCHI : लोकसभा चुनाव के बीच झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ताबड़तोड़ छापेमारी चल रही है। मंगलवार को डोरंडा इलाके में रहने वाले कॉन्ट्रैक्टर राजीव कुमार सिंह के ठिकाने पर भी रेड पड़ी। जिन ठिकानों पर छापेमारी चली, वह सिंह मोड़ के पास रहने वाले एक बिल्डर के साथ-साथ रांची के रातू और आईटीआई बस स्टैंड के पास रहने वाले दो बिल्डरों के यहां है। इसके अतिरिक्त कई दूसरे जगहों पर भी छापेमारी चली। छापेमारी में ईडी ने ठेकेदार राजीव कुमार सिंह से डेढ़ करोड़ रुपए बरामद किए गए। बताया जा रहा है कि कैश हेराफेरी में उसके जरिए 10 करोड़ से ज्यादा की रकम उड़ाई गई थी। ईडी ने सुबह पांच बजे ही रेड मारी थी। इस छापेमारी के दायरे में बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर आए हैं।

कॉन्ट्रैक्टर राजीव कुमार सिंह के ठिकाने से बरामद रुपये।

संजीव व जहांगीर से छह दिनों तक पूछताछ करेगी जांच एजेंसी

ईडी ने ग्रामीण विकास मंत्री के पीएस संजीव लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को अदालत से 10 दिनों की रिमांड मांगी लेकिन अदालत ने दोनों को छह दिनों की रिमांड दी है। ईडी के अधिकारी बुधवार से दोनों से छह दिनों तक पूछताछ करेंगे। इस दौरान कई राज खुलेंगे। ईडी ने कोर्ट में दिए गए रिमांड पिटीशन में कहा है कि अब तक की जांच में यह जानकारी सामने आई है कि सोमवार को बरामद हुआ सारा पैसा टेंडर घोटाले का है।

न्यू रिसर्च वैज्ञानिक शोध में उस काल के 'ब्रह्मास्त्र' की सच्चाई आई सामने

महाभारत में न्यूक्लियर बम के इस्तेमाल का मिला संकेत

PHOTON RESEARCH DESK : आधुनिक युग के प्रख्यात शायर साहिर लुधियानवी ने अपनी एक नज्म में लिखा था कि जंग किसी मसले का हल नहीं हो सकती, क्योंकि जंग तो खुद एक मसला है। द्वितीय विश्व युद्ध में परमाणु बम के इस्तेमाल के बाद सामने आई त्रासदी के बाद ही साहिर ने ऐसा महसूस किया था। जंग वाकई इंसानियत की दुश्मन है, लेकिन पुराने समय से लेकर आज तक जंग होती आई है। अभी भी हो रही है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के साथ इजरायल और फिलीस्तीन के बीच युद्ध को भी आज हम देख रहे हैं। इसके नतीजे से पूरी दुनिया चिंतित है, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु बम के इस्तेमाल की धमकी देकर पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया है। इन बातों के साथ हमारा वास्तव में उद्देश्य आपको वर्तमान से अतीत की ओर ले जाना है। हाल में ही विज्ञान के रिसर्च की दुनिया से यह महत्वपूर्ण खबर सामने आई है कि भारत की धरती पर हुए महाभारत में न्यूक्लियर बम यानी परमाणु बम का इस्तेमाल हुआ था।

परमाणु बम के आविष्कारक ओपेनहाइमर ने गीता और महाभारत का गहराई से किया था अध्ययन

परमाणु शक्ति।

ब्रह्मास्त्र शक्ति।

आविष्कारक ने किया था खुलासा

जूलियस रॉबर्ट ओपेनहाइमर ने परमाणु बम का आविष्कार किया था। उन्होंने इस बात खुलासा किया है कि महाभारत काल में परमाणु बम जैसे विनाशकारी हथियारों का इस्तेमाल किया जा चुका है।

महाभारत काल में मची थी तबाही

पुणे के एक डॉक्टर व लेखक पद्माकर विष्णु वर्तक ने भी अपने शोध में माना है कि महाभारत काल में इस्तेमाल किया गया ब्रह्मास्त्र परमाणु बम के समान ही था। डॉ. वर्तक ने अपनी किताब 'स्वयंभू', में इस बात का जिक्र किया है। रामायण और महाभारत काल में ब्रह्मास्त्र को सबसे खतरनाक हथियार माना जाता था। उस काल में कई योद्धाओं के पास ब्रह्मास्त्र थे। बताया जाता है कि जो व्यक्ति ब्रह्मास्त्र का इस्तेमाल करता था, उसके पास क्षमता होती थी कि वह इसे वापस भी ले सकता था। लेकिन, द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा को ब्रह्मास्त्र कैसे वापस लेना है, यह तरीका याद नहीं था। इसकी वजह से ब्रह्मास्त्र के छूटने के बाद भयानक तबाही मची थी।

6 अगस्त 1945 को किया गया था पहले परमाणु बम का इस्तेमाल

इतिहास गवाह है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सबसे पहले परमाणु बम का इस्तेमाल किया था। अमेरिका ने 6 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा शहर पर परमाणु बम गिराया गया था। इसके तीन दिन बाद 9 अगस्त 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम से हमला किया था। इस परमाणु हमले के तुरंत बाद द्वितीय विश्व युद्ध खत्म हो गया। जापान ने मित्र राष्ट्रों के सामने समर्पण कर दिया था। अब नए रिसर्च में बताया जा रहा है कि महाभारत काल में भी 'परमाणु बम' का इस्तेमाल किया गया था। वैज्ञानिकों को इस बात का सबूत हासिल हुआ है।

गिरिडीह में आईआरबी जवानों से भरी बस पलटी एक की चली गई जान

GIRIDIH : मंगलवार को गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र अंतर्गत झरी पुल के समीप आईआरबी जवानों से भरी बस के पलटने से एक जवान की मौत हो गई जबकि 12 से अधिक घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल जवानों को बगोदर के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां से गंभीर रूप से जख्मी चार जवानों को धनबाद से दिल्ली के लिए एयर लिफ्ट किया गया। बताया गया कि गिरिडीह से इंडियन रिर्जव बटालियन के जवानों को लेकर सात बसें चुनाव की ड्यूटी कराने अलग-अलग जिलों में जा रही थी। हर बस में 40 के करीब जवान बैठे थे। गिरिडीह से गढ़वा जा रही एक बस का चालक काफी तेज गति से वाहन चला रहा था। नतीजन बस झरी पुल के समीप असंतुलित होकर पलट गई, जिसमें लोहरदगा के रहने वाले एक जवान विकास भगत की मौत मौके पर हो गई और 12 से अधिक जख्मी हो गए।

दो दिनों में छह डिग्री तक गिर सकता है पारा

बारिश की हल्की फुहारों से मौसम हो गया सुहाना

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है। गर्मी का पारा डाउन हो गया। राजधानी में बारिश की हल्की फुहारों से मौसम सुहाना हो गया है। वहीं राजनीति का पारा हाई हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 13 मई तक बारिश होगी। आंधी चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका भी है। इसका प्रभाव राज्य के कई जिलों में देखने को मिलेगा। इसे लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 4 से 6 डिग्री की गिरावट हो सकती है। इसके बाद अगले 3 दिनों में इसमें कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है।

8 और 9 मई को भी मध्यम दर्जे की होगी बारिश : मौसम केंद्र के अनुसार 8 और 9 मई को कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यतम दर्जे की बारिश हो सकती है। राज्य में कुछ स्थानों पर 10 और 11 मई तक बारिश होगी। राज्य में कहीं-कहीं 12 मई को बारिश होगी। राज्य में कुछ स्थानों पर 13 मई को बारिश होगी।

इंजीनियरिंग में बेस्ट आप्शंस

स्टूडेंट्स के बीच इंजीनियरिंग हमेशा से हॉट सब्जेक्ट रहा है, क्योंकि बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग के बाद करियर के कई ऑप्शंस खुल जाते हैं। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, पीएसयू, प्राइवेट सेक्टर में शानदार जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर आप इंजीनियरिंग में एडमिशन लेने जा रहे हैं, तो जानें यहां आपके लिए क्या बेस्ट ऑप्शंस हैं..

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए 12वीं में साइंस सब्जेक्ट यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स/ बायोलॉजी जैसे सब्जेक्ट होने चाहिए। अधिकतर एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर इंजीनियर के बीई/बीटेक प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन करती है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष की होती है। इसमें डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है। कुछ संस्थानों में एडमिशन बारहवीं के अंक के आधार पर भी होता है। आज इस फील्ड में अवसर भी कम नहीं है। स्किल्ड प्रोफेशनल्स प्रोडक्शन, सेल्स, मैनेजमेंट, रिसर्च आदि फील्ड में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

12वीं साइंस (मैथ्स) के स्टूडेंट्स बीई/बीटेक एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या एयरोनॉटिक्स में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। विभिन्न कॉलेजों और आईआईटीज में एयरोनॉटिक्स में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स उपलब्ध है। कई पॉलिटेक्निक्स द्वारा एविएशन में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। देश में कुछ संस्थान एविएशन में पोस्ट ग्रेजुएट (एमटेक) और डॉक्टोरल प्रोग्राम (पीएचडी) भी कराते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का बीई/ बीटेक कोर्स चार साल का होता है, जबकि डिप्लोमा कोर्स की अवधि दो-तीन साल होती है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर गवर्नमेंट और प्राइवेट एयरलाइंस में जॉब की तलाश कर सकते हैं। इसके अलावा, नेशनल एयरोनॉटिकल लैब, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इसरो आदि में भी जॉब पा सकते हैं।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग

इन दिनों ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप आईआईटी (गुवाहाटी) से बीटेक इन डिजाइनिंग (चार वर्षीय) का कोर्स कर सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) अहमदाबाद, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में चार वर्षीय प्रोग्राम ऑफर करती है। इन सभी कोर्स में 12वीं (पीसीएम) के बाद जेईई मेन्स और एडवांस क्वालिफाई करके एडमिशन लिया जा सकता है। आईआईटी, दिल्ली से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) हासिल कर सकते हैं। आईआईटी, कानपुर भी इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कोर्स कराती है। इसके अलावा, इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी-मुंबई से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) प्राप्त कर सकते हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

इस कोर्स में एंट्री के लिए 12वीं बायोलॉजी, केमिस्ट्री और मैथ्स से पास होना जरूरी है। इस समय अधिकतर यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए अलग से कोर्स ऑफर नहीं किया जाता है, लेकिन इसकी पढ़ाई बायोटेक्नोजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री में सहायक विषय के रूप में होती है। बायोटेक्नोलॉजी के अडंर ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट में जेनेटिक इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। गेजुएट कोर्स, बीई/बीटेक में एंट्री प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है। जेनेटिक इंजीनियर के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। मेडिकल और फार्मास्युटिकल कंपनी, एग्रीकल्चर सेक्टर, प्राइवेट और गवर्नमेंट रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में जॉब हासिल कर सकते हैं। टीचिंग को भी करियर ऑप्शन के रूप में आजमाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए स्टूडेंट को जेईई या फिर स्टेट लेवल पर आयोजित होने वाले इंजीनियरिंग एग्जाम को क्वालिफाई करना जरूरी है। 12वीं साइंस के स्टूडेंट्स इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ होना चाहिए। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इंडस्ट्रीज मैन्युफैक्चरिंग, टेलीविजन, कंप्यूटर, माइक्रोवेब्स से संबंधित इंडस्ट्रीज में इसकी खूब मांग है। इसके अलावा, एटमी प्लांट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट्स, थर्मल पावर आदि के डिजाइन और डेवलपमेंट इलेक्ट्रिक इंजीनियर की अहम भूमिका होती है।

फायर इंजीनियरिंग

फायर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए साइंस सब्जेक्ट्स से बारहवीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा, इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए कई संस्थान नेशनल लेवर पर एंट्रेंस एग्जाम और साक्षात्कार आदि भी आयोजित करते हैं। फायर इंजीनियरिंग से रिलेटेड सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। कोर्स के दौरान आग बुझाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज में फिजिकल फिटनेस के मार्क्स भी जोड़े जाते हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर ऐंड सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकड़ा के मुताबिक, फायर इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए गवर्नमेंट और पब्लिक सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। इस फील्ड में जुड़े प्रोफेशनल्स रेलवे, एयरफोर्ट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया, डिफेंस फोर्स, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, ओएनजीसी, माइंस, रिफाइनरिज, पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स आदि में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर साइंस में करियर बनाने के लिए मैथ्स और साइंस (फिजिक्स, केमेस्ट्री) में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इस ब्रांच में बीई या बीटेक करने के बाद पोस्टग्रेजुएशन यानी एमई/एमटेक किया जा सकता है। कंप्यूटर इंजीनियर्स के लिए देश-विदेश दोनों जगहों पर अच्छी संभावनाएं हैं। ये सॉफ्टवेयर्स को डिजाइन, डेवलप और मेंटेन करते हैं। इस फील्ड से जुड़े लोगों को सॉफ्टवेयर कंपनीज और आईटी कंपनियों में जॉब मिलती है। कंप्यूटर इंजीनियर अपनी टीम के साथ मिलकर मैथ और साइंस का प्रयोग करके कंप्यूटर को डिजाइन और डेवलप करते हैं। आमतौर पर कंप्यूटर के पुजरें के साथ काम करने वाले प्रोफेशनल्स को हार्डवेयर इंजीनियर कहा जाता है और जो कंप्यूटर के प्रोग्राम्स के साथ काम करते हैं, उन्हें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कहा जाता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

इन दिनों पेट्रोलियम इंजीनियर्स की काफी डिमांड है। अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच की ही तरह पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स का 12वीं साइंस (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स) से पास होना जरूरी है। इस कोर्स में एडमिशन के लिए जेईई पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एचपीसीएल, ओएनजीसी, बीपी आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है।

माइनिंग इंजीनियरिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए मैथ, फिजिक्स और केमिस्ट्री से 12वीं पास होना जरूरी है। माइनिंग इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए जेईई जैसे एंट्रेंस एग्जाम को पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, आईपीसीएल, नेवली लिग्नाइट कॉरपोरेशन, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसके अलावा, रिसर्च और टीचिंग में भी काफी स्कोप है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरूआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकती हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकती हैं।

कलैक्शन के लिए जुनून

कलैक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से ले कर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलैक्शन लंबे समय में आपको अच्छी रिटर्न दे सकता है।

शुरूआत के लिए

यदि आप कुछ संग्रह करना शुरू करने वाली हैं, तो बेहतर है कि आप आम कलैक्शन के साथ शुरूआत करें। उदाहरण के लिए यदि आप स्टांप इकट्ठी करने वाली हैं, तो जितनी ज्यादा संभव हो, उतनी स्टांप इकट्ठी करें और जब कुछ समय के बाद आपके पास स्टांप का अच्छा-खासा कलैक्शन हो जाए, तो आप किसी खास देश की खास स्टांप पर भी फोकस कर सकती हैं। इससे मिलने वाली खुशी एक संकलनकर्ता का प्रोत्साहन होती है, न कि उसके संकलन की मार्केट वैल्यू उसके लिए मायने रखती है।

अभिभावकों की भूमिका

अगर किसी बच्चे में कलैक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलैक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें। वे अपने बच्चे का परिचय ऐसी विभिन्न सोसायटियों से करा सकते हैं, जहां पर पुराने और बड़े संकलनकर्ता दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए मीटिंग और सैमीनार आयोजित करते हैं। ये सोसायटियां किसी संकलनकर्ता के संकलन की जानकारी को लोगों से सांझा करने और उनके संकलन को विस्तृत बनाने के लिए जानकारियां देने में मददगार होती हैं।

विशिष्ट कलैक्टरों की जमात में शामिल होने के लिए संकलनकर्ता को अपने संकलन के विषय की गहन जानकारी होनी चाहिए। उसके लिए अपने विषय के अन्य संकलनकर्ताओं और उनके संकलन के स्तर के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है, सो इसके लिए आप प्रदर्शनियों में जाएं तथा नैट पर सर्च करती रहें।

उपलब्धता भी रखती है मायने

आप जिस चीज का संकलन करने जा रहे हैं, उसकी उपलब्धता का स्तर जानना बेहद महत्वपूर्ण है। यह भी समझें कि विशिष्ट संकलनकर्ताओं के पास संजोई गई चीजें आसानी से नहीं मिलतीं।

डीलर की पहचान जरूरी

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणित हो। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आप धोखाधड़ी का शिकार तो नहीं हो रहे हैं, क्योंकि बहुत सी नई चीजों को पुराना रूप देकर एंटीक बता दिया जाता है।

संग्रहणीय वस्तुओं की सुरक्षा

एक संकलनकर्ता को अपनी संग्रहणीय वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ किसी हाल में समझौता नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने संग्रहण की स्थिति की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। ऐसी चीजों को इकट्ठा करने से बचना चाहिए, जो सही स्थिति में न हों, हालांकि पुराने इस्तेमाल हो चुके स्टांप इसके अपवाद हो सकते हैं। संकलनकर्ता आम तौर पर अपनी कलैक्शन को लेकर बेहद पोजैसिव होता है। अपनी कलैक्शन को लोगों के हाथ में देकर दिखाने की अपेक्षा दूर से दिखाना बेहतर तरीका है। सिक्कों के संग्रहणकर्ताओं को अपने सिक्के साफ पानी से धोने चाहिएं। ऐसे रसायनों से बचना चाहिए जिनसे सिक्कों की वास्तविक चमक कम हो जाती हो।

संकलनकर्ताओं को अपने संकलनको दुर्लभ, अति दुर्लभ जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत कर उनका कैटालॉग बनवा कर उनके विषय में लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

संकलन का बाजार

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाणपत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

पैशन को दें दिशा

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलैक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं अर्थात आपकी हॉबी भी पूरी होगी और पैसा कमाने की चाहत भी। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

आफिस और आपका व्यवहार

ऑफिस में कभी काम को कल पर टाल कर, तो कभी काम ज्यादा होने पर छुट्टी ले लेना जैसी आदतें पुरुषों में ही नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों में भी पाई जाती हैं। उन्हें तो शायद यह महसूस भी नहीं होता कि उनकी यह आदत धीरे-धीरे उनकी ही परफार्मैंस पर भारी पड़ते हुए उन्हें बॉस की नजरों में गैर-जिम्मेदार ठहराती जा रही है।

महिलाएं अक्सर दूसरों के सामने यह राग अलापती हैं कि वे तो मजे की नौकरी कर रही हैं। ऐसी बातें जब बॉस के कानों में पहुंचती हैं, तो वह निल-परफार्मैंस के साथ सहज ही आपकी तुलना कर लेता है। यही कारण है कि जब प्रमोशन की बात आती है तो कई बार आपके जूनियर बाजी मार जाते हैं। ऐसी कई गलतियां हैं, जिनकी आदी हो चुकीं महिला कर्मचारी इन्हें अपनी आदत बना लेती हैं। यदि आप में भी कोई ऐसा अवगुण है तो उसे समय रहते ही सुधार लेना आवश्यक है।

अपनी गलती दूसरों के सिर न मढ़ें

अपनी गलती को छिपाने वाले तथा बॉस की नजरों में अच्छी इमेज साबित करने वाले लोग हर जगह होते हैं। ऐसे लोग अपनी गलती दूसरे के सिर मढ़ कर बच निकलना चाहते हैं, परंतु अपनी इस आदत के कारण दूसरों की परेशानी की वजह बन जाते हैं। यदि आप में भी यह आदत है तो इसे सुधार लेना ही बेहतर है। हो सकता है कि आरंभ में अपनी गलती मानते हुए आपको शर्मिंदगी महसूस हो, लेकिन यकीन मानें कि उसे छिपाने में आपको कहीं ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। अपने किसी कुलीग के सिर गलती मढने की कोशिश हर बार कामयाब नहीं हो सकती और गलती साबित हो जाने पर वह स्थिति अधिक कष्टदायक हो सकती है।

रोज की बहानेबाजी तौबा-तौबा

कई बार आप सुबह उठती हैं और काम पर जाने का मन नहीं हो रहा या बच्चों ने घूमने की फरमाइश कर दी तो तुरंत फोन कर बॉस से पेट दर्द, सिरदर्द या किसी और बीमारी का बहाना बना कर आप लीव ले लेती हैं। छुट्टी लेना तो आपका अधिकार है और उस समय आप अभिनय में कलाकारों को भी मात दे देती हैं। कुछ दिन की छुट्टी चाहिए तो मैडीकल सर्टीफिकेट देकर लंबी छुट्टी ले ली परंतु ऐसी बहानेबाजी आपके दूसरे कुलीग्स का वर्क प्रैशर बढ़ा देती है। कभी यह सोचा है कि आपकी इस आदत के चलते आप अपने सहयोगियों का ही नहीं, बल्कि अपने बॉस का भी विश्वास खोने लगती हैं, क्योंकि वह आपको जिम्मेदारी का काम या ओहदा देने से कतराने लगते हैं।

व्यवहार हो संतुलित

किसी ने आपके काम पर उंगली उठाई या फिर आपको क्रिटीसाइज किया तो आप अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पातीं और गुस्से में लाल-पीली होकर सामने वाले पर बरस उठती हैं या फिर आप सामने वाले की कही गलत बातों को भी चुपचाप सुन स्वयं में ही सिमटे हुए वहां से उठ कर चल देती हैं। प्रोफैशनल नजरिए से देखा जाए तो दोनों तरह के व्यवहार सही नहीं हैं, क्योंकि तुरंत रिएक्ट करने से आप सबकी नजरों में एग्रैसिव साबित होते हैं तो चुपचाप हर किसी की नाराजगी झेलने से आप सॉफ्ट टार्गेट बन जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि व्यवहार को संतुलित रखें क्योंकि दोनों ही स्थितियों में आप अपना सही पक्ष नहीं रख सकतीं। इसलिए बेहतर है कि भीतर का आक्रोश थम जाने पर ही सामने वाले से बात करें। इससे आप जहां सही ढंग से अपना पक्ष रख सकेंगी, वहीं आपकी एनर्जी बेकार की बातों में वेस्ट नहीं होगी और काम पर भी उसका नैगेटिव असर नहीं पड़ेगा।

पर्सनल काम करें अवॉयड

ऑफिस के फोन से पर्सनल कॉल करना, ई-मेल पर चैट करना, प्रिंट पर पर्सनल डॉक्यूमैंट्स के प्रिंट लेना या फिर घरेलू कामों को निपटाना जैसे काम एक दिन बॉस के नोटिस में आ ही जाते हैं। ये सब आपकी कार्यक्षमता पर सवालिया निशान भी लगाते हैं। इसलिए बेहतर है कि इस प्रकार के पर्सनल कामों को अवॉयड किया जाए।

शालीन पहनावा

जब बात ऑफिस में प्रोफैशनल बिहेवियर की चल रही हो तो सही ड्रैसिंग भी उसी में आती है। यदि ऑफिस में कोई ड्रैस कोड नहीं है तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, इसलिए ऑफिस में हमेशा ग्रेसफुल पोशाक ही पहनें, क्योंकि इसी से आपके सहयोगी आपके बारे में अपनी राय कायम करते हैं।

BRIEF NEWS

मनोज कुमार को शिक्षा सचिव का अतिरिक्त प्रभार

RANCHI : भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मनोज कुमार को शिक्षा सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मनोज कुमार वर्तमान में पर्यटन सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उमाशंकर सिंह ओडिशा में चुनाव प्रेक्षक के रूप में पांच मई को ही चले गये हैं। ऐसे में उनके स्थान पर मनोज कुमार को शिक्षा सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

सातवें चरण में राज्य की तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी

RANCHI : निर्वाचन आयोग ने सातवें चरण के लोकसभा चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। सातवें चरण का मतदान एक जून को होगा। इसमें झारखंड की तीन लोकसभा सीटों राजमहल (अजजा), दुमका (अजजा) और गोड्डा में चुनाव होगा। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा। नामांकन की अंतिम तारीख 14 मई, नामांकन की समीक्षा 15 मई और नाम वापसी की समय सीमा 17 मई रखी गयी है।

रांची पुलिस ने टीपीसी उग्रवादियों के खिलाफ चलाया अभियान

RANCHI : बुढ़मू थाना क्षेत्र में टीपीसी उग्रवादियों के खिलाफ मंगलवार को अभियान चलाया गया। एसएसपी चंदन सिन्हा को बुढ़मू इलाके में टीपीसी उग्रवादियों के जमावड़े की सूचना मिली थी। जिसके बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस की भनक लगते ही उग्रवादी जंगल में भागने लगे। पुलिस टीम ने दूर तक इनका पीछा किया गया, लेकिन उग्रवादी घने जंगल और पहाड़ का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस टीम ने सर्च के दौरान उग्रवादियों द्वारा प्रयुक्त एक लूटा हुआ अपाची मोटरसाइकिल बरामद किया।

बरियातू पेट्रोल पंप से हिल व्यू चौक तक हटाया गया अतिक्रमण, 6 ठेले जब्त

RANCHI : नगर प्रशासक के आदेशानुसार, रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सड़कों को जाम मुक्त व अतिक्रमण मुक्त करने के लिए लगातार अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रांची नगर निगम ने अतिक्रमण मुक्त अभियान बरियातू पेट्रोल पंप से हिल व्यू चौक होते हुए बूटी मोड़ तक दंडाधिकारी व पुलिस बल की उपस्थिति में चलाया। इस दौरान अवैध रूप से लगाए गए अस्थायी दुकानों को जेसीबी से हटाया गया। साथ ही सामान जब्त किया गया तथा नो वेंडिंग जोन में खड़े दुकानों, ठेला-खोमचा, गुमटी और बांस-बल्ली को हटाया गया। वहीं सड़क के किनारे अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई करते हुए 6 ठेलो को जब्त किया। बता दें अतिक्रमण मुक्त अभियान के पूर्व सभी दुकानदारों और विक्रेताओं को माइकिंग के माध्यम से खुद अतिक्रमण हटाने का निदेश निगम द्वारा दिया गया था। लेकिन जब दुकानदारों ने दुकान नहीं हटायी तो निगम ने कार्रवाई करते हुए सामान जब्त किया गया।

रांची में नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री पर कोर्ट गंभीर, डीजी सीआईडी से मांगी एटीआर

ड्रग्स के कारोबार की जड़ तक पहुंचना जरूरी मुख्य सूत्रधार पर लेना होगा एक्शन : हाईकोर्ट

- सिर्फ छोटे-छोटे विक्रेताओं को ही पकड़ रही है पुलिस, व्यापार पर नहीं लग पा रही रोक
- एसएसपी को कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का कोर्ट ने दिया था निर्देश
- अब 14 मई को होगी अगली सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : रांची शहर में ड्रग्स के खरीद-बिक्री को लेकर झारखंड हाई कोर्ट ने मौखिक नाराजगी जताते हुए कहा कि राजधानी रांची में ड्रग्स का कारोबार रुक नहीं रहा है। रांची एसएसपी सहित पुलिस के आला अधिकारी राजधानी में ड्रग्स खरीद बिक्री पर रोक नहीं लग पा रहे हैं। ड्रग्स बिक्री के मुख्य सूत्रधार पर पुलिस को एक्शन लेना चाहिए, ड्रग्स खरीदी बिक्री के जड़ तक पुलिस को पहुंचना होगा। पुलिस केवल छोटे-छोटे ड्रग्स विक्रेताओं को ही पकड़ रही है। ड्रग्स खरीद बिक्री के मुख्य सूत्रधार अभी भी खुले घूम रहे हैं जिस कारण ड्रग्स के कारोबार पर रोक नहीं लग पा रही है।

कोर्ट ने मामले में डीजी सीआईडी को ड्रग्स की खरीद बिक्री पर रोकथाम पर एक्शन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही मामले में झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) के मेंबर सेक्रेट्री को प्रतिवादी बनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि रांची में जिन थाना क्षेत्र में ड्रग्स की खरीद बिक्री अभी भी चल रही है वहां के थाना इंचार्ज ने क्या कार्रवाई की है। इसके अलावे जो पुलिस अधिकारी ड्रग्स की खरीद बिक्री पर रोक लगाने में असफल रहे उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। अपने मामले की अगली सुनवाई 14 मई निर्धारित की है। कोर्ट ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को भी ड्रग्स की रोकथाम पर राज्य की पुलिस एजेंसी के साथ मिलकर कार्रवाई करने को कहा है।

बता दे की राजधानी रांची में ड्रग्स की खरीद बिक्री को लेकर छपी खबर को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया था। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाले खंडपीठ ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए रांची एसएसपी को ड्रग्स कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। खंडपीठ ने कहा था कि सुखदेव नगर थाना इलाके में जो भी ड्रग्स के कारोबार करने वाले दुकानदार या अन्य लोग शामिल है उन्हें चिन्हित किया जाए और उनकी गिरफ्तारी जल्द सुनिश्चित की जाए। कोर्ट ने राज्य सरकार से नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी पर रिपोर्ट मांगी थी।

कोर्ट ने कहा कि नशे के शिकार युवाओ की जिंदगी बर्बाद हो रही है। नशे का प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। दरअसल, कोर्ट के संज्ञान में यह बात आई कि राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में ड्रग्स जिसमें ब्राउन शुगर, गांजा आदि शामिल है, का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। बीते दिनों 16 मार्च, 19 मार्च, 21 मार्च को सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर, गांजा आदि की बिक्री करने वालों की गिरफ्तारी की गई। इसके अलावा राजधानी रांची के अन्य क्षेत्रों में भी ड्रग्स का यह कारोबार चल रहा है। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया है।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी कांके को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने का मामला

हाईकोर्ट ने गृह विभाग के प्रधान सचिव को किया तलब, आज वर्चुअली उपस्थित होने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : कांके नगड़ी स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने से संबंधित दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने बुधवार को प्रधान सचिव गृह विभाग को कोर्ट में वर्चुअली उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पास पुलिस आउटपोस्ट निर्माण के लिए एक करोड़ 62 लाख रुपया स्वीकृत किया गया है। लॉ यूनिवर्सिटी के खाली जगह पर बाउंड्री वॉल भी बनाया जाएगा।

दरअसल, पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके के पुलिस पोस्ट के लिए 30 डिसमिल जमीन सरकार ने मुहैया कराई है, तो उसपर पुलिस पोस्ट का निर्माण क्यों नहीं कराया जा रहा है। उसके बगल में बिजली सब स्टेशन का निर्माण तो कर दिया गया है लेकिन इसे ऑपरेशनल नहीं किया गया है वहां बिजली क्यों नहीं दी जा रही है। वहीं यूनिवर्सिटी के सामने 6 एकड़ जमीन सरकार ने दी है उसपर चारदीवारी बनाई जाएगी या नहीं। बता दे कि बार एसोसिएशन झारखंड हाई कोर्ट की ओर से जनहित याचिका दाखिल कर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को आवश्यक सुविधा उपलब्ध करने का आग्रह किया गया है।

जयराम महतो को राहत पीड़क कार्रवाई पर रोक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) के अध्यक्ष और गिरिडीह लोकसभा सीट से उम्मीदवार जयराम महतो की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को रांची सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने उसके खिलाफ किसी भी पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस केस के अनुसंधानकर्ता को कोर्ट के समक्ष डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त (एजेसी 15) अमित शेखर की कोर्ट में जयराम की याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 21 मई निर्धारित की है।

जयराम महतो के खिलाफ रांची पुलिस ने रांची के नगड़ी थाना में वर्ष 2022 में दर्ज कांड संख्या 48/ 22में वारंट लिया है। वारंट प्राप्त करने के बाद रांची पुलिस ने जयराम महतो को गिरफ्तार करने के लिए दबिश भी दी थी लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आया।

हाईकोर्ट में वकीलों ने खराब पड़े एस्केलेटर पर चढ़ा दी माला

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के चार एस्केलेटर की खराब स्थिति को देखते हुए मंगलवार को हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने एस्केलेटर पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋतु कुमार ने कहा कि 12 जून से हम लोग हाई कोर्ट के नए भवन में आए लेकिन उसके बाद से हाई कोर्ट के चार एस्केलेटर एक साथ कभी चलते नहीं देखे गए। एस्केलेटर के खराब रहने से अधिवक्ताओं एवं हाई कोर्ट आने वाले मुवक्किलों को प्रतिदिन काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि चार में से तीन एस्केलेटर खराब हैं और वह नहीं चल रहे हैं। इस संबंध में हाई कोर्ट प्रबंधन एवं हाईकोर्ट की बिल्डिंग कमेटी को भी जानकारी दी गई थी लेकिन उनकी ओर से कुछ नहीं किया गया। इससे आजिज होकर आज वकीलों ने फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी है। श्रद्धांजलि देने के बाद अधिवक्ताओं ने नीचे वाले एस्केलेटर का प्रयोग बंद कर दिया।

समर्थकों के साथ अनवर ने थामा भाजपा का दामन

मोहम्मद अनवर का पार्टी में स्वागत करते विधायक सीपी सिंह।

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में लोकसभा से ठीक पहले सौकड़ो अल्पसंख्यकों ने भाजपा का दामन थामा। मंगलवार को मोहम्मद अनवर अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुआ। मोहम्मद अनवर का स्वागत रांची के विधायक सीपी सिंह ने पट्टा पहना कर किया। अरगोड़ा स्थित संजय सेठ के कार्यालय में सौकड़ो मुस्लिम सहित अन्य समुदायों के लोगों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हो कर भाजपा में शामिल हुआ। यह कार्यक्रम वरूण साहू के द्वारा करवाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन जोनी वर्कर, और मो. रब्बानी ने किया । मोहम्मद अनवर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश दिन-प्रतिदिन प्रगति के पथ पर है। देश में सभी समुदायों को एक समान देखते, उनका हर योजना सभी के लिए बराबर है उन्होंने कहा कि सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमारे प्रधानमंत्री कुशल नेतृत्व का परचम लहरा रहे हैं। मौके पर मो. रब्बानी, जोनी वर्कर राजा अंसारी, एस्टीया खान, रफीक अंसारी, अब्दुल खान, सेराज खान, समीम अंसारी, खलील खान, साकिब अंसारी, रुस्तम अंसारी,चेतन साहू,कुमार साहू, रविंद्र जायसवाल, पारस, नीमूल, कामाख्या, अजय, अविनाश, संजय संग कई लोगों ने भाजपा का दामन थामा।

142 अफसरों की वरीयता सूची जारी

RANCHI : राज्य प्रशासनिक सेवा के 142 अफसरों की वरीयता सूची जारी कर दी है। ये अफसर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त हुए थे। राज्य गठन के बाद इन्होंने झारखंड कैडर चुना। अब राज्य प्रशासनिक सेवा के तहत इन अधिकारियों की 1 जनवरी 2024 की तिथि से औपबंधिक रूप से वरीयता का निर्धारण कर दिया गया है। वरीयता सूची के निर्धारण के बाद राज्य सेवा के अफसरों का आइएएस संवर्ग में प्रमोशन का रास्ता भी साफ हो गया है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा से आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति देने के समय इस बिंदु पर गंभीरता से विचार किया गया। यूपीएससी ने भी इस ओर राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है। इससे पहले बीपीएससी से नियुक्त हुए अफसरों की वरीयता सूची निर्धारण का मामला लंबे समय से झारखंड सरकार के समक्ष विचाराधीन था। यूपीएससी के द्वारा उठाये गये बिंदुओं के बाद सरकार ने यह निर्णय विचार करने के बाद लिया है। बीपीएससी से नियुक्त अफसरों की वरीयता सूची निर्धारण का आदेश कार्मिक विभाग ने जारी कर दिया है। साथ ही वैसे पदाधिकारियों से आपत्ति मांगी है, जिन्हें इस औपबंधिक वरीयता सूची में आपत्ति है।

इधर पत्नी से नाराज पति ने ससुराल में दे दी जान, उधर डॉक्टर के ड्राइवर ने किया सुसाइड

सदर थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों ने कर ली आत्महत्या

CRIME REPORTER RANCHI : मंगलवार को राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों की खुदकुशी का मामला सामने आया है। जानकारी मिलने पर सदर पुलिस दोनों जगह पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामलों की जांच में जुट गई। पहली घटना चूना भट्ठा इलाके का है। यहां सिंकू पासवान नाम के एक युवक ने आत्महत्या कर ली। 36 वर्षीय सिंकू पासवान रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह चुना भट्ठा स्थित अपने ससुराल आया हुआ था। परिजनों के अनुसार ससुराल में ही उसका अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर सोमवार की रात जमकर झगड़ा हुआ था, इसी बात से नाराज होकर सिंकू पासवान ने आत्महत्या कर ली। मंगलवार की सुबह सिंकू का शव बरामद किया गया। जिसके बाद मामले की जानकारी सदर थाने को दी गई। वहीं दूसरा मामला भी सदर थाना क्षेत्र का ही है। सदर इलाके के भाभा नगर के रहने वाले 56 वर्षीय विजय राम ने अपने ही घर आत्महत्या कर ली। विजय राम रांची के एक डॉक्टर के यहां ड्राइवर के तौर पर काम किया करते थे। मामले की जानकारी मिलने पर सदर थाने की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

ईडी की रेड में मुख्य सचिव का पत्र मिलना गंभीर : बाबूलाल मरांडी

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम को लिखा लेटर

PHOTON NEWS RANCHI : बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि ईडी रेड के दौरान ईडी कार्यालय द्वारा मुख्य सचिव को लिखे गए पत्र की प्रति मिलना एक गंभीर मामला है। इस पर बिना देर किए प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की अनुशंसा करें। अन्यथा यह माना जाएगा कि भ्रष्टाचार के इस गंभीर मामले में आप चुप रहे और यह सब कुकृत्य देखते रहे। झारखंड की जनता भी आपसे यह सवाल पूछेगी। अगर आप और मुख्य सचिव यह सब जानने और संज्ञान में आने के बाद भी उपरोक्त कार्रवाई के अनुरोध पर कार्रवाई नहीं करेंगे तो देर-सबेर आप भी इस गंभीर मामले में आपराधिक षड्यंत्र का आरोपी बनने से बच नहीं पायेंगे। मरांडी ने पत्र में लिखा है कि देशभर में नोट के बंडल के साथ मुख्य सचिव का पत्र मिलने की चर्चा हो रही है। झारखंड सरकार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। मुझे विश्वास है कि आप भी यह देखकर आश्चर्य चकित होंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बुंडू के दो मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

वोटिंग के प्रयोग में परेशानी आई तो होगी कार्रवाई : सीईओ

मतदान केंद्र का निरीक्षण करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार।

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जहां लगातार दिशा-निर्देश दे रहे हैं, वहीं बूथों का निरीक्षण कर निर्देश पर अमल की निगरानी भी कर रहे हैं। इसी के तहत उन्होंने मंगलवार को रांची जिले के बुंडू प्रखंड क्षेत्र के दो मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बुंडू के राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी के मतदान केंद्र संख्या 69 एवं राजेंद्र आश्रम कन्या मध्य विद्यालय के मतदान केन्द्र संख्या 72 का निरीक्षण किया।

रवि कुमार ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर बीएलओ द्वारा वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप का वितरण, मतदाता मार्गदर्शिका के वितरण एवं अब्सेंट, शिफ्ट, डेथ (एएसडी) सूची के अद्यतीकरण कार्य की गहराई से छानबीन की। इस कार्य में शिथिलता मिलने पर नाराजगी जताते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि यदि संबंधित पदाधिकारी की लापरवाही के कारण किसी भी मतदाता को मताधिकार के प्रयोग में परेशानी की शिकायत आई तो कड़ी कार्रवाई होगी। निर्वाचन से संबंधित सभी कार्य ससमय संपन्न कराए जाने के लिए सभी जिलों के लिए कैलेण्डर तय हैं। जिनकी भी जहां जिम्मेवारी है उन्हें निर्धारित समय से पूरा करना है। रवि कुमार ने निर्वाचन कार्य की तैयारी में गति लाने का निर्देश दिया।

स्क्रूटनी के बाद छठे चरण में मैदान में 96 उम्मीदवार, 22 का नामांकन रद्द

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव के छठे चरण के लिए मंगलवार को स्क्रूटनी की प्रक्रिया पूरी हुई। झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। झारखंड में छठे चरण में स्क्रूटनी के बाद 96 प्रत्याशी मैदान में हैं। 22 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया। वहीं छठे चरण में 118 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। 9 मई तक नाम वापसी की अंतिम तारीख है। स्क्रूटनी के दौरान गिरिडीह से 7, धनबाद से 3, रांची और जमशेदपुर से 6-6 प्रत्याशियों का नॉमिनेशन रद्द किया गया। स्क्रूटनी के बाद गिरिडीह में 18, धनबाद में 25 ,रांची में 27 व जमशेदपुर में 26 प्रत्याशी मैदान में हैं। 7 मई को 7वें चरण के नामांकन का नोटिफिकेशन किया गया। झारखंड में पहले दिन 3 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। राजमहल से 1, गोड्डा से 2 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। दुमका से पहले दिन कोई भी नामांकन नहीं हुआ। जबकि 7वें चरण के नामांकन की अंतिम तारीख 14 मई है।

मतदाता पहचान पत्र बांटने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहा डाक विभाग

RANCHI : झारखंड में लोकसभा चुनाव के चौथे, पांचवें, छठे और सातवें चरण में मतदान होना है। इससे पहले सभी नए मतदाताओं तक मतदाता पहचान पत्र पहुंचाने की कवायद में डाक विभाग भी मशगूल है। विभागीय कर्मचारी नया वोटर आईडी कार्ड लोगों तक पहुंचाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इस संबंध में रांची के शहीद चौक स्थित डाक विभाग के कार्यालय में तैनात मुख्य डाकपाल एस गोराई ने बताया कि लोगों के घरों तक वोटर आईडी कार्ड पहुंचाने के लिए करीब 55 डाकिया काम कर रहे हैं जबकि 15 से 20 कर्मचारी कार्यालय में लगातार कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि पिछले छह महीने से यह काम लगातार चल रहा है। अब तक 15 से 20 लाख लोगों तक वोटर आईकार्ड पहुंचाने का काम किया गया है। साथ ही 25 मई से पहले रांची जिले के बचे हुए 55 से 60 हजार वोटर कार्ड मतदाताओं तक पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

झामुमो ने चमरा लिंडा को पार्टी से कर दिया निलंबित

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो ने बागी नेताओं पर कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। खूंटी सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले बसंत लौंगा के बाद अब पार्टी ने विधायक चमरा लिंडा पर कार्रवाई की है। उन्होंने बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के इस विधायक को सस्पेंड कर दिया। गौरतलब है कि चमरा लिंडा ने लोहरदगा लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। जबकि उस सीट से इंडिया गठबंधन ने कांग्रेस के सुखदेव भगत को प्रत्याशी बनाया है। झामुमो के केंद्रीय कमेटी ने बिशुनपुर विधानसभा चमरा लिंडा को पार्टी से निलंबित कर दिया है। इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है। ये कार्रवाई पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन के निर्देश के आलोक में की गयी है। जारी अधिसूचना में उन पर गठबंधन धर्म के विपरीत कार्य करने की बात लिखी गयी है। पार्टी ने उन्हें निलंबित करते हुए सभी पदों से मुक्त कर दिया है। गौरतलब है कि चमरा लिंडा के लोकसभा चुनाव में नामांकन करने के बाद से ही झामुमो ने कार्रवाई करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया था। इसके लिए पार्टी ने जिला कमेटी से राय मांगी थी।

खत्म करेंगे ठेकेदारी प्रथा, सभी को मिलेगी पेंशन वाली नौकरी : राहुल

कांग्रेस बनाएगी लखपति, गरीब महिलाओं के खाते में प्रति वर्ष आएंगे 1 लाख रुपये

- देश में आरक्षण में 50 प्रतिशत की लिमिट को बढ़ाने का किया जाएगा काम
- किसानों का सारा कर्ज किया जाएगा माफ, एमएसपी कानून को करेंगे लागू
- मनरेगा मजदूरों, आशा कर्मियों व आंगनबाड़ी सेविकाओं की आमदनी दोगुना करने का वादा

चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में राहुल गांधी के साथ मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, कल्पना सोरेन, जोबा मांझी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री सत्यानंद भोक्ता व अन्य और सभा को संबोधित करते राहुल ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को झारखंड के चाईबासा में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। कोल्हान प्रमंडल और पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय में अपने इस संबोधन में राहुल गांधी ने गरीब परिवारों को लखपति बनाने का वादा किया। नौकरी का वादा किया। राहुल गांधी ने कहा कि हम परमानेंट नौकरी देंगे। पब्लिक सेक्टर यूनिट में ठेकेदारी प्रथा वाली नौकरी खत्म करेंगे और सभी को पेंशन वाली नौकरी देंगे। राहुल गांधी ने आरक्षण बढ़ाने का भी वादा किया। कहा कि हमारी सरकार बनी तो आरक्षण पर 50 प्रतिशत की लिमिट को बढ़ाने का काम किया जाएगा। नरेंद्र मोदी ने 22 अरबपति बनाए। अब कांग्रेस लखपति बनाएगी। इसका तरीका बताते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सबसे पहले गरीब परिवारों की लिस्ट बनाएगी। करोड़ों परिवार हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। इसमें आदिवासी, दलित, पिछड़े ज्यादा हैं। हर गरीब परिवार में से एक महिला का नाम चुनेंगे। उस महिला के बैंक अकाउंट में दस, बीस, पचास या नब्बे नहीं पूरे एक लाख रुपये साल के डाल देंगे। आगे कहा कि हमने महिलाओं के बैंक अकाउंट को इसलिए चुना है, क्योंकि इस 21वीं सदी में महिलाएं 16 से 20 घंटे काम करती हैं। मैं जानता हूं कि दबाव डालकर महिलाओं से पुरुष कुछ पैसा ले लेंगे। बेरोजगारी दूर करने का भरोसा दिलाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश के ग्रेजुएट अथवा डिप्लोमा होल्डर को हम पहली नौकरी का अधिकार देने जा रहे हैं। कांग्रेस की सरकार आई तो किसानों का सारा कर्ज माफ किया जाएगा। एमएसपी कानून लागू किया जाएगा। मजदूरों के लिए भी हमने सोचा है। अभी मनरेगा मजदूर को 250 रुपये मिलते हैं। हम 400 रुपये देंगे। आंगनबाड़ी सेविका व आशाकर्मियों की आमदनी दोगुनी कर देंगे। इससे पहले राहुल गांधी ने 'जोहार' कहकर अपना संबोधन शुरू किया। जोहार के अभिवादन को स्पष्ट करते हुए राहुल बोले, मैंने 'जोहार' इसलिए बोला, क्योंकि यह आदिवासियों का शब्द है। इसमें आपकी आवाज अच्छी सुनाई देती है। यह चुनाव आदिवासी, दलित, पिछड़ों के लिए जरूरी चुनाव है।

राहुल बोले, संविधान की रक्षा के लिए हम जान देने को तैयार

सिंहभूम लोकसभा सीट से आइएनडीआइए प्रत्याशी जोबा मांझी के लिए हुई इस चुनावी सभा से राहुल गांधी ने संविधान की किताब दिखाते हुए कहा कि यह देश की आवाज है। आईएनडीआईए इसकी रक्षा कर रहा है। वहीं, भाजपा वाले इसे फाड़कर फेंकना चाहते हैं। आपको जो भी मिला है, इसी किताब ने दिया है। संविधान से ही आपको आरक्षण मिलता है। संविधान से नौकरी मिलती है, संविधान से शिक्षा मिलती है। यह मिट जाएगा तो आदिवासी कहीं का नहीं रहेगा। सारा का सारा 10 से 15 अरबपतियों के हाथ में चला जाएगा। संविधान की रक्षा के लिए हम जान देने को तैयार हैं। आदिवासी देश की जमीन का पहला मालिक है। अडाणी की नजर आपकी जल, जंगल, जमीन पर है। मोदी उनके लिए काम कर रहा है।

देश को 90 लोग मिलकर चला रहे, इनमें आदिवासी केवल एक

राहुल गांधी ने कहा कि आपको हम आदिवासी कहते हैं। वो आपको वनवासी बोलते हैं, क्योंकि उनके लिए आप जंगल में रहने वाले लोग हैं। हमारे लिए आप आदिवासी हैं। आपका इस जमीन पर हर संसाधन पर बराबरी का हिस्सा है। वे आपको वनवासी कहते हैं, और सारे जंगल और जमीन अडाणी, अंबानी को दे रहे हैं। एक दिन जंगल खत्म हो जाएंगे तो आपको कहेंगे, जाओ भीख मांगो। चुनावी सभा के मंच पर पहुंची कल्पना सोरेन की ओर जनसभा का ध्यान आकृष्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कल्पना के पति और झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया है। हेमंत सोरेन छूटेगा। आपको बता दूं कि आज हिन्दुस्तान को 90 लोग मिलकर चला रहे हैं। ये सभी आइएएस अधिकारी हैं। 90 में से केवल एक व्यक्ति आदिवासी है।

महंगाई कम नहीं हुई : चम्पाई सोरेन

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में महंगाई कम नहीं हुई। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ते गए।

आज तक केंद्र सरकार ने आदिवासी हित में कोई का नहीं किया। हमने विधानसभा में आदिवासियों की परंपरा और अस्मिता के लिए सरना धर्म कोड का नियम बनाया। प्रधानमंत्री जब यहां आये तो सरना धर्म कोड पर कुछ नहीं बोले। झारखंड सरकार ने पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया लेकिन केंद्र के इशारे पर राजभवन में ही रोक दिया गया। सभा में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री सत्यानंद भोक्ता व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कल्पना सोरेन, विधायक निरल पुर्ति, विधायक सुखराम उरांव और प्रत्याशी जोबा माझी सहित अन्य मौजूद थे।

जमशेदपुर की रही दमदार मौजूदगी

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मंगलवार को चाईबासा में राहुल गांधी की चुनावी जनसभा हुई, जिसमें जमशेदपुर की दमदार मौजूदगी रही। जमशेदपुर से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं का जत्था चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में पहुंचा था। यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में गगनभेदी नारे लगाए। इनमें जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, जिला उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, बृजेंद्र तिवारी, संजय सिंह आजाद, अमित श्रीवास्तव गुड्डू, सनी सिंह, अजय महतो, निखिल तिवारी, कॉल्टू चक्रवर्ती, कमलेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

BRIEF NEWS

महाराणा प्रताप जयंती पर आज होगी आतिशबाजी

JAMSHEDPUR : महाराणा प्रताप की जयंती पर 9 मई को क्षत्रिय करणी सेना परिवार शौर्य यात्रा निकालेगी। वहीं, जयंती की पूर्व संध्या पर 8 मई को साकची के पुराना कोर्ट के पास मेरीन ड्राइव चौक पर आतिशबाजी की जाएगी। हरि सिंह राजपूत ने बताया कि इस संबंध में मंगलवार को डिमना में संस्था की बैठक हुई, जिसमें यह तय हुआ कि 9 मई को साकची स्थित बोधि मंदिर मैदान से महाराणा प्रताप चौक तक शौर्य यात्रा निकाली जाएगी।

साई आकाश माझी ने बीजद से दिया इस्तीफा

ROURKELA : राउरकेला के साई आकाश माझी ने बीजू जनता दल के प्राथमिक सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में स्थानीय नेताओं की लगातार हो रही उपेक्षा के कारण उन्होंने यह फैसला लिया है।

सुंदरगढ़ के दर्जनों कार्यकर्ता बीजेडी में शामिल

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ सदर विधान सभा क्षेत्र में योगेश कुमार सिंह की उपस्थिति में लबनी के नेतृत्व में सदर विधानसभा क्षेत्र के बीरविरा, कुलटा पंचायत और मझापाड़ा क्षेत्र के 100 से अधिक महिला और पुरुष बीजू जनता दल में शामिल हुए। मौके पर जिला परिषद सदस्य व प्रखंड बीजेडी अध्यक्ष अश्विनी कुमार नायक, कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश साहू, वरिष्ठ नेता बसंत शेखर देव, संतोष मगर उपस्थित थे।

दुर्घटना में घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया

ROURKELA : शहर के कोणार्क टॉकीज के सामने चौक में भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें घायल युवक नयाबाजार (राउरकेला) का रहने वाला 15 साल का एक लड़का (सत्य दास उम्र 15) कुछ देर तक सड़क पर बेहोश पड़ा रहा। संयोग से उस समय वहां गुजर रहे राउरकेला के विधायक प्रत्याशी शारदा नायक ने अपनी गाड़ी को रोक कर बेहोश पड़े सत्य को अपनी गाड़ी में राउरकेला सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

सीपीआई (एम) ने कार्ल मार्क्स की जयंती मनाई

ROURKELA : समाजवाद के संस्थापक कार्ल मार्क्स की 207वीं जयंती सीपीआई (एम) सुंदरगढ़ जिला कमेटी और राउरकेला लोकल कमेटी की ओर से एकेजी भवन शक्तिनगर में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज किशोर प्रधान ने की। पार्टी के राज्य संपादक मंडल सदस्य बिष्णु मोहंती, जिला संपादक प्रमोद सामल, जिला संपादक मंडल सदस्य और बणई विधायक उम्मीदवार लक्ष्मण मुंडा, जहांगीर अल्ली, विमान माईती, श्रीमंत बेहरा, सुरेंद्र दाश, जिला समिति सदस्य बसंत नायक उपस्थित रहकर अपना वक्तव्य रखे।

त्रिशक्ति मंदिर में सुंदरकांड पाठ आयोजित

ROURKELA : राउरकेला के हनुमान वाटिका स्थित त्रिशक्ति मंदिर के 8वें वार्षिक उत्सव में मंजूदेवी और कैलाश पारेख की स्मृति में सुंदरकांड पाठ और भजन संध्या का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को रोशनी और फूलों से सजाया गया था। श्याम बाबा, रानी सती, सालासर बालाजी के भव्य महल को फूलों से सजाया गया। कोलकाता से आए कारीगरों ने बाबा की दिव्य प्रतिमा को सजाया। स्थानीय भजन कलाकार रमन शर्मा और मृदुल शर्मा द्वारा श्याम बाबा सहित अन्य देवी देवताओं का भजन प्रस्तुत किया गया। वहीं राजस्थान के सालासर धाम के रसराज महाराज, अरविंद महाराज की मंडली द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया। आकर्षण का केंद्र हनुमान की झांकी रही, जिसे देखकर श्रद्धालु झूमने लगे। कार्यक्रम में राउरकेला के सालासर के भक्ति मंडल सहित निवेदक एमके रोडलाइंस नितेश पारेख और चिराग खंडेलवाल की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजन में राउरकेला समेत राजगांगपुर, बीरमित्रपुर और आसपास के श्रद्धालु शामिल हुए।

पतंजलि योग परिवार का मना वार्षिक उत्सव

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिला पतंजलि योग परिवार ने मंगलवार को सेक्टर-2 स्थित सामुदायिक केंद्र योग केंद्र का वार्षिक उत्सव वरिष्ठ योग शिक्षक एवं जिला बीएसटी अधीक्षक नरेंद्र बेहरा की अध्यक्षता में आयोजित की। कार्यक्रम में राउरकेला स्टील प्लांट के उप निदेशक (खेल) आरएन पाढ़ी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मनोरमा मुदुली, प्रकाशिनी भंज और सरस्वती कांता ने संगीत और गुरु वंदना की। विशिष्ट अतिथि प्रियदर्शिनी पाढ़ी ने योग के लाभों और इसके प्रभाव पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में योग शिक्षिका कौशल्या पृष्ठि, शशिकला साहनी, शुभश्री नायक, शांतिलता बारिक, साधक साधिका देबराज भंज, गौरीशंकर पाणीग्रही, ममता मोहंती, संयुलता सिंह, स्नेहा, सुभाषिनी, सुरभि, ब्रह्म बिंधनी, कंचन, कश्मीर, दिलु ने भाग लिया।

आनंद मार्ग के शिविर में 50 यूनिट रक्तदान

JAMSHEDPUR : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं ओमप्रकाश बजाज एवं सविता बजाज की पुण्यस्मृति में जमशेदपुर ब्लड सेंटर में एक दिवसीय 105वां मासिक रक्तदान शिविर का आयोजन जमशेदपुर ब्लड सेंटर में किया गया। इसमें लगभग 50 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इस दौरान लगभग 150 पौधा बांटा गया।

सोनारी में दो युवकों को गोली मारी बस्तिवासियों ने आरोपी को दबोचा

PHOTON NEWS JSR: सोनारी के सीएच एरिया के पास शातिर बदमाश ने इलाके के ही सूर्य हेंब्रम और अभय गोप को मंगलवार को गोली मार दी। घटना में दोनों को गोलियां लगी हैं, जिसके बाद दोनों को इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया है। घटना के समय बस्ती के लोगों ने आरोपी बाटला उर्फ आकाश सिंह को धर दबोचा और पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

टीएमएच में इलाजरत घायल ● फोटोन न्यूज

बाटला ने दी थी धमकी

बताया जा रहा है कि बाटला ने सूर्य और अभय को पहले धमकी दी थी। इस बीच जैसे ही बाटला बस्ती में पहुंचा ही था कि दोनों ने उसे पकड़ लिया था। बस्ती के लोग भी पहुंच गए थे। इस बीच ही बाटला ने खुद को बचाने के लिए दोनों पर गोली चला दी। इसके बाद बस्ती के लोग उग्र हो गए और बाटला को पकड़ लिया।

बाटला का रहा है पुराना आपराधिक इतिहास

बाटला की बात करें तो वह लूट, हत्या, आर्म्स एक्ट समेत कई मामले में पहले भी जेल जा चुका है। उसका पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

सोनारी के रहने वाले हैं दोनों घायल

फायरिंग में घायल अभय गोप सोनारी के न्यू कपाली बस्ती का रहने वाला है।
इसी तरह सूर्य हेंब्रम सोनारी के झाबरी बस्ती का रहने वाला है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चाकुलिया में 67 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया के भोंडशोल में टीकाराम सोरेन के घर पर छापेमारी कर 67 किलो गांजा के साथ उसे गिरफ्तार किया गया है। घटना का खुलासा एसएसपी किशोर कौशल ने मंगलवार को पुलिस ऑफिस में आयोजित प्रेसवार्ता में किया। उन्होंने बताया कि टीकाराम सोरेन ओडिशा से गांजा लाकर बेचने का काम करता था। इस धंधे में अन्य तीन लोग भी लिप्त हैं, जिनकी जानकारी पुलिस टीम को मिली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। टीकाराम सोरेन के बारे में पुलिस का कहना है कि वह पूर्वी सिंहभूम जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गांजा सप्लाई करने का जाल बिछा रखा था। वह पहली बार पुलिस की गिरफ्त में आया है।

जादूगोड़ा में देसी व विदेशी शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

जब्त शराब की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर के ग्रामीण इलाके जादूगोड़ा में पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। यहां पुलिस ने छापेमारी कर अवैध शराब का घर पर व्यापार कर रही महिला को 408 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब और 8 लीटर अवैध देसी महुआ के साथ गिरफ्तार किया है। इसका मूल्य करीब 1 लाख रुपये है। गिरफ्त में आई महिला का नाम पवनी उरांव (50) है। जादुगोड़ा के उत्तरी इचरा टोला धरमडीह की रहने वाली है। पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर जादूगोड़ा के उत्तरी इचरा टोला धरमडीह में महिला के घर से विभिन्न बांड के 184 पीस बीयर केन, 224 पीस शराब के बोतल और 8 लीटर अवैध महुआ बरामद किया गया। महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में मंगलवार को जेल भेज दिया गया। छापामारी दल में जादूगोड़ा थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, सत्यनारायण कुमार, महिला पुलिस उर्मिला देवी, हवलदार सुधांशु कुमार महतो और सशस्त्र बल शामिल थे। एसएसपी ने बताया कि नशीले पदार्थों को लेकर अभियान जारी रहेगा।

लोकसभा चुनाव : चुनावी मैदान में रह गए 26 प्रत्याशी, 9 मई को नामांकन वापसी की अंतिम तिथि

जमशेदपुर से 6 उम्मीदवारों का नामांकन हुआ रद

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से इस बार 32 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच में 6 उम्मीदवारों का नामांकन रद कर दिया गया, जिससे अब चुनावी मैदान में 26 प्रत्याशी बच गए हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल को जिन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र सौंपा था, उनमें 14 विभिन्न दलों के प्रत्याशी और 18 निर्दलीय थे। अब दलीय उम्मीदवार 13 और निर्दलीय 13 बच गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद जो उम्मीदवार बच गए हैं, उनमें बिद्युत बरण महतो (भाजपा) व समीर कुमार मोहंती (झामुमो) के अलावा महेश कुमार (राइट टू रिकॉल पार्टी), अशोक कुमार (पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया, डेमोक्रेटिक), अरुण कुमार शर्मा (भारतीय आजाद सेना), धार्मू टुडू (अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया), मनोज गुप्ता (लोकहित अधिकार पार्टी), शेख अखिरुद्दीन (बहुजन महा पार्टी), सनका महतो (एसयूसीआई), सुकुमार सोरेन (भारत आदिवासी पार्टी), अंगद महतो (आमरा बंगाली पार्टी), प्रणब कुमार महतो (बहुजन समाज पार्टी), डोमन चंद्र भकत (भागीदारी पार्टी-पी) के अलावा निर्दलीय उम्मीदवारों में सौरभ विष्णु, जुझार सोरेन, बबलू प्रसाद दांगी, अरुण महतो, जयराम दास, ज्ञानसागर प्रसाद, इंद्रदेव प्रसाद, जितेंद्र सिंह, पार्वती किस्कू, साधुचरण पाल, विश्वनाथ महतो, आनंद मुखी व राकेश कुमार शामिल हैं।

इन उम्मीदवारों का नामांकन खारिज

1. मंगल हेम्ब्रम, अखिल भारतीय झारखण्ड पार्टी
2. संजीव कुमार कुंडू, निर्दलीय
3. पिंकी महतो, निर्दलीय
4. दुर्गा लाल मुर्मू, निर्दलीय
5. अमित कुमार सिंह, निर्दलीय
6. दिलीप कुमार टुडू, निर्दलीय

अब 9 मई को नाम वापसी की तिथि है। जमशेदपुर लोकसभा चुनाव के लिए 25 मई को मतदान होना है। मतगणना 4 जून को होगी।

मतदाता सूची-पर्ची का वितरण आज पूरा कर लें : उपायुक्त

GAMARIA : आदित्यपुर क्षेत्र अंतर्गत शहरी क्षेत्र में प्रखंड वोटर इनफॉरमेशन स्लिप वितरण को लेकर मंगलवार को ऑटो क्लस्टर गम्हरिया स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में संबंधित क्षेत्र के सभी बीएलओ तथा बीएलओ सुपरवाइजर के साथ समीक्षा बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने मतदान केंद्रवार वोटर इनफॉरमेशन स्लिप की समीक्षा की गई इस दौरान उपायुक्त नें शेष बचे मतदाता सूची व पर्ची वितरण कार्य 8 मई तक पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए। समीक्षा क्रम मे ऐसे क्षेत्र जहां अपेक्षाकृत वितरण प्रतिशत कम पाई गई उन क्षेत्र मे नगर निगम आदित्यपुर तथा सम्बन्धित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के कार्यालय से कर्मी के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी योग्य मतदाताओं के बीच मतदाता सूची वितरण करने का निर्देश दिया।

मानगो में बाइक ने मारी टक्कर, 3 लोग घायल

बाइक की टक्कर में घायल ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: मानगो थाना अंतर्गत जवाहर नगर रोड नंबर 16 में विशाल मेगा मार्ट के समीप एक तेज रफ़्तार बाइक ने सड़क पार कर रहे राहगीर को टक्कर मार दी, जिससे जवाहर नगर रोड नंबर 12 के आलीशान टावर निवासी मोहम्मद आरिफ गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें स्थानीय लोगों के सहयोग से तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नशे में धुत्त दो युवक काफी तेज रफ्तार से बाइक चलाते हुए आए और टक्कर मार दी।
बताया जाता है कि बाइक सवार दोनों युवक गरीब कॉलोनी के सद्दाम और गौसनगर कपाली निवासी इरशाद अंसारी भी जख्मी हो गए। उन्हें भी इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के बाद दोनों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

भूसे के साथ हरा चारा ना मिलने पर जताई नाराजगी

गौशाला एनजीओ सचिव को लगाई फटकार

अमरोहा। जनपद के हसनपुर तहसील क्षेत्र में जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने मंगलवार को ब्रह्द नंदी विहार गौशाला गुरेठा विकासखंड गंगेश्वरी का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में पानी की व्यवस्था,पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण,खल चोकर उपलब्धता,भूसा की उपलब्धता,भूसे के साथ हरा चारा मिलाकर दिया जा रहा है या नहीं सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया । जिलाधिकारी को निरीक्षण केदौरान भूसें के साथ हरा चारा और खली चौकर ना मिला पाए जाने पर गौशाला NGO सचिव का कड़ी फटकार लगाते हुए कड़ी कार्रवाई करने के हिदायत दी है । जिलाधिकारी निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के दृष्टिगत पशुओं को नियमित रूप से पानी दिया जाए। जो तालाब हैं उनमें पानी अवश्य भरा रहे। ईंट की जो बाउंड्री बनाई जा रही है उसको जल्द से जल्द पूर्ण कर लिया जाए। ताकि गौशाला के अंदर ही पशु टहल सके। कहा कि भूसे के साथ हरा चारा और खली चोकर अवश्य मिलाकर दिया जाना चाहिए । यदि अगले निरीक्षण में भूसे के साथ हरा चारा न मिला तो खैर नहीं होगी। हरा चारा अधिक से अधिक बुवाया जाए । कहा कि कोई भी पशु बीमार होता है तो समय से इलाज उसका हो जाए यह सुनिश्चित करें । गौशाला NGO सचिव पर कड़ी नाराजगी व्यक्त कर निर्देशित करते हुए कहा कि सही से काम करें । कार्य संतोषजनक नहीं दिख रहा है सुधार करें । अतिरिक्त नये शेड बनाए जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिया । कहा कि जल्द से जल्द इन नए शेडों को तैयार कर छुट्टा पशुओं को संरक्षित किया जाए । न्यायिक माया शंकर यादव,मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र,खंड विकास संबंधित अधिकारी गौशाला के संरक्षक मौजूद रहे ।

अपने ही पैसे मांगने पर दबंग ने युवक को पेट्रोल डालकर जलाया हालत चिंताजनक अस्पताल में भर्ती

बरेली। उधार के रुपए वापस मांगना युवक के लिए भारी पड़ गया। युवक के उधार के रुपए मांगने पर भड़के दबंग ने उसके ऊपर पेट्रोल डाल कर जला दिया। घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बता दें, मामला इज्जत नगर थाना क्षेत्र के कंजरदासपुर नगर है, जहां दीपक अपने दिए गए उधार के रुपए मांगने गया था। रुपए मांगने पर दबंग भड़क गया और पेट्रोल डालकर उसे जला दिया और मौका पाकर बाइक से फरार हो गया। वहीं घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

अमरोहा में एमएलसी डा. हरिसिंह ढिल्लो से ठगी का प्रयास

अमरोहा। में साइबर ठगों ने MLC डा. हरिसिंह ढिल्लो से ठगी का प्रयास किया है। ठगी ने एमएलसी को फोन करके बताया कि उनका बेटे को दुष्कर्म के मामले में पकड़ा गया है। छोड़ने के लिए पैसे की मांग की। जबकि शिक्षक विधायक का बेटा उनके पास बैठा था। इस मामले में शिक्षक विधायक ने दिल्ली निवासी विजय पांडे के विरुद्ध नगर कोतवाली अमरोहा में एफआईआर दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। मंगलवार को लगभग साढ़े दस बजे की है। एमएलसी डा. हरिसिंह ढिल्लो कल्याणपुरा स्थित अपने आवास पर मौजूद थे। उसी समय उनके मोबाइल नंबर पर वॉट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना नाम विजय पांडे बताया। साथ ही कहा कि वह दिल्ली के थाना सदर से बात कर रहा है। आपका बेटा दुष्कर्म के मामले में पकड़ा गया है। अगर छुड़ाना चाहते हो तो पैसे देने होंगे। जबकि शिक्षक विधायक का बेटा उनके पास ही अपने घर में बैठा हुआ था। जिस पर उन्हें ठगी करने की बात समझ आई। जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने नगर कोतवाली में आरोपी विजय पांडे के खिलाफ नगर कोतवाली में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई। नगर कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज की गई है।

पिता-पुत्रों पर लगाया युवती छेड़छाड़ का आरोप रिपोर्ट दर्ज

बरेली। बहेड़ी के गांव की रहने वाली एक युवती ने दो सगे भाइयों और उनके पिता पर उसे, उसकी बहन और मां को छेड़ने का आरोप लगाकर एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। बहेड़ी क्षेत्र के एक गांव की युवती का कहना है कि गांव के दो सगे भाई उस पर और उसकी सगी बहन पर गलत नियत रखते हैं। उसकी मां ने दोनों भाइयों की शिकायत उनके पिता से की तो उसने उसकी मां को गालियां देते हुए लाठी डंडों और लातों घूंसों से मारा। जब शोर सुनकर वह दोनों बहनें मां को बचाने गईं तो दोनों सगे भाइयों ने दोनों बहनों के कपड़े फाड़ दिए और दोनों के साथ अश्लील हरकतें कीं। उनके चीखने पर एक युवक ने उसके काट लिया और उसकी बहन को दूसरे भाई ने उसकी मां को दोनों भाइयों के पिता ने गलत नियत से पकड़ लिया। आरोप है कि लोगों ने उसका मोबाइल भी छीन लिया। युवती का कहना है कि वह लोग दबंग और हेकड़ किस्म के हैं। उनका परिवार बड़ा होने के कारण गांव में उनका कोई विरोध नही करता। इस मामले की शिकायत उन्होंने थाने में जाकर की तो पुलिस ने उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। उसके बाद युवती ने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश के बाद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

संक्षिप्त डायरी

वोटर पर्ची नही आई तो टेंशन लेने का नही आपके पास हैं ये 15 विकल्प

बरेली। सात मई यानी कि मंगलवार को लोकसभा के तीसरे चरण का मतदान होगा। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदाता वोटिंग कर सकेंगे। ऐसे में कई घरों पर बीएलओ की लापरवाही से मतदान पर्ची नहीं पहुंची है, लेकिन परेशान होने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग ने 15 विकल्पों को तैयार किया है, इसके जरिए मतदाता अपना वोट डाल सकेगा। बताते चले कि जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार ने 15 विकल्पों की सूची जारी की है। मतदाता मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। इसमें पहला विकल्प पहचान पत्र भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत मतदान पहचान, आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, राज्य केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों स्थानीय निकायों अथवा पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले फोटो युक्त पहचान पत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पोस्ट ऑफिस द्वारा जारी फोटो युक्त पासबुक, फोटो युक्त पेंशन अभिलेख तथा भूतपूर्व सैनिक पेंशन भुगतान आदेश वृद्धावस्था पेंशन आदि, फोटो योग स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पहचान पत्र, फोटो युक्त शस्त्र लाइसेंस, फोटो युक्त शारीरिक रूप से असक्त होने का प्रमाण पत्र, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर्ड के अंतर्गत राष्ट्रीय जनरल ऑफ इंडिया द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, सांसदों विधायकों विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, राशन कार्ड के जरिए वह वोट डाल सकेगा।

निपुण नोडल प्रभारी ने किया जोया के बेसिक परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण

अमरोहा। जनपद अमरोहा के विकास खण्ड जोया में किशन अग्रवाल ` राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ जो कि निपुण सेल से हैं। एवं निपुण नोडल प्रभारी अमरोहा भी है। उनके द्वारा विकास क्षेत्र जोया के प्राथमिक विद्यालय अजीज नगर एवं प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर माफी का औचक निरीक्षण किया गया। एवं निपुण को लेकर उन सभी जमीनी हकीकत को जाना जिससे बच्चों को निपुण होने में परेशानी आ रही है। दोनों विद्यालयों में बच्चों से भाषा एवं गणित के प्रश्न पूछे एवं सभी बच्चों ने संतोषजनक जवाब दिया। निरीक्षण के समय योगेश कुमार एआरपी उपस्थित रहे एवं साथ ही बीआरसी केंद्र नारंगपुर जोया का निरीक्षण किया निपुण विद्यालयों को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद एवं समस्त एआरपी के साथ मीटिंग की गई एवं बीआरसी पर सब कुछ संतोषजनक मिला।

होटल और धर्मशाला में चेंकिग,बाहरी को जिला छोडऩे का निर्देश

बरेली। जिले की बरेली और आंवला लोकसभा को लेकर सात मई को मतदान है। इस महापर्व को लेकर जहां क्षेत्र की जनता में उत्साह है। वहीं अधिकारियों की ड्यूटी भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। इस महापर्व को शांतिपूर्ण कराने के लिए वह जी जान से लगे हैं। पुलिस प्रशासन जिले में होने वाली सभी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे हुआ है। इसके साथ ही जिले के होटल और धर्मशालाओं पर बाहरी लोगों की चेंकिग की जा रही है। उन्हें सात तारीख तक जिला छोडऩे को कहा जा रहा है। चुनाव को शांतिपूर्ण कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। नाका पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी हर आने-जाने वाले वाहन पर अपनी नजर रखे हुए हैं। ढावों को भी चेक किया जा रहा है। वाहनों को चेकर कर उनके मालिक का नाम और शहर में आने का कारण से लेकर सभी विवरण भरे जा रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस की टीम चौबीस घंटे वार्डर पर मुस्तैद है। शाम से होगी रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू सात मई को जिले में मतदान है। इसक लिए सोमवार को परसाखेड़ा वेयरहाउस से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जाएगा। सात मई को वोटिंग के बाद यहां पर ही ईवीएम जमा की जाएगीं। एसपी ट्रेफिक शिवराज सिंह ने बताया कि परसाखेड़ा में व्यवस्था को संभालने के लिए रुड डायवर्जन किया जा रहा है। महानगर से रामपुर, दिल्ली जाने वाले वाहन मिनी बाईपास से झुमका चौराहे से जाने के बदले विलयधाम, बिल्वा पुल होतेहु ए जाएंगे। इसके साथ ही दिल्ली, मुरादाबाद, रामपुर की ओर से ओन वाले सभी प्रकार के वाहन झुमका तिराहे से बड़ा बाइपास होते हुए बिल्वा पुल, विलयधाम, बैरियर टू से महानगर में प्रवेश करेगें। वहीं झुमका चौराहे से मिनी बाईपास के मध्य चुनाव कार्य में लगे वाहनों, अधिकारियों व कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य समस्त वाहनों का डायवर्जन आज शाम से मतदान समाप्ति तक प्रभावित रहेगा। परसाखेड़ा में आज से मतदा समाप्ति तक झुमका चौराहे से टियूलिया अंडरपास व मथुरापुर चौराहे से निर्वाचन कार्य केअतिरिक्त अन्य सभी प्रकार के वाहनों व व्यक्तियों का प्रवेश निषेध रहेगा। जिले में शांतिपूर्व तरीके से चुनाव कराने के लिए १७ हजार से अधिक पुलिस बल व अर्धसैनिक बलों को लगाया गया है। यह लोग १७० केंद्रों पर ठहरे हुए हैं। सोमवार से यह अपने मतदान में लगाई गई ड्यूटी स्थल पर पोलिंग पार्टियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए रवाना हो जाएगें। इसके साथ ही मतदान केंद्रो पर पुलिस प व प्रशासनिक अधिकारियों का मुवमेंट बना रहेगा। मतदान केंद्रो पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाएगी।

मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार मतदान अवश्य करें

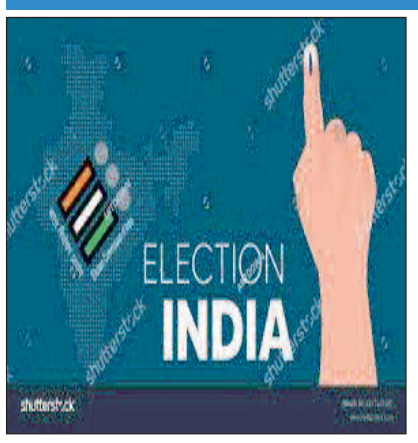

बरेली। दरगाह आला हजरत के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने लोकसभा चुनाव में सभी बढ़-चढ़ कर मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश भर में लोकसभा चुनाव चल रहे है। 2 चरणों में चुनाव निपट गए है, जिसमें वोटिंग प्रतिशत काफी कम रहा। तीसरे चरण में बरेली समेत देश के कई जिलों में 07 मई को मतदान होना है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान जम्हूरी(लोकतात्रिक) मुल्क है। हमारे मुल्क के संविधान ने हमे वोट डालने का हक दिया है ये हमारा संवैधानिक अधिकार भी है। इसलिए मेरी अभी लोगो से अपील है कि लोग इस लोकतंत्र के पर्व में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हुए अपने दिल की आवाज से अपने वजूद और ताकत का भरपूर इस्तेमाल करते हुए अपने मुल्क,अपने सूबे और ज़िले की तरक़्क़ी व सलामती के लिए वोट जरूर दे। उस उम्मीदवार को अपना वोट दे जो आपका हमदर्द हो,और आपकी हिमायत करते हुए आपसी भाईचारा कायम रखें। आपके हक में अपनी आवाज बुलंद करे। बिना किसी भेदभाव समाजसेवा के लिए समर्पित हो। किसी भी व्यक्ति के बहकावे में आये बिना जो सबसे मुफीद उम्मीदवार या पार्टी हो,उसका चुनाव करें। व्यवस्था को नकारने से बेहतर है बदलाव का हिस्सा बने। क्योंकि हमारा हर एक वोट कीमती है।

बिजनौर में कूड़े के ढेर में लगी आग

बिजनौर। के नहटौर इलाके में बाईपास पर नगरपालिका द्वारा डंप किए गए कूड़े के ढेर में आग लगने से उसका धुआं आस पास के इलाके में फैल गया। जिससे एक वृद्ध की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि एक दर्जन से अधिक लोगों बीमार हो गए जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर मौके पर पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने कूड़ा हटाए जाने की मांग की। दरअसल बिजनौर के नहटौर थाना क्षेत्र के धामपुर बाईपास मार्ग पर कूड़े के ढेर में देर रात अचनाक आग लग गई। जिससे हर तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। आग की लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं। कूड़े के ढेर में लगी आग का धुआं फैलने से आसपास रहने वाले लोगों को दम घुटने की शिकायत होने लगी। मोहल्ला नौधा दक्षिणी में धुआं फैलने से करीब एक दर्जन से अधिक लोगों को दम घुटने को शिकायत होने लगी। जिन्हें परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डाक्टर ने मोहम्मद इरफान को मृत घोषित कर दिया। आग की सूचना पर पुलिस व नगर पालिका कर्मचारी मौके पर पहुंचे और नगर पालिका के टैंकरों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया तो फायर बिग्रेड की सूचना दी गई। सूचना पर दमकल को टीम मौके पर पहुंची टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन पूरी तरह आग पर काबू नहीं पाया जा सका। वहीं मोहल्ले के रहने वाले महताब शेख, मोहम्मद फारूक, सलीम मलिक, अमीनुद्दीन, इमरान अंसारी, इकबाल मलिक, अफजाल मलिक, सरफराज अहमद, कमरुद्दीन, जाहिद हुसैन, फरहान अहमद, फुरकान, अबरार मलिक, सद्दाम, यूसुफ का कहना है कि कई सालों से बाईपास पर नगर पालिका द्वारा कूड़ा डाला जा रहा है। जिससे आए दिन आग लग जाती है। आग लगने के बाद धुएं का रुख मोहल्ले की ओर हो जाता है, जिससे लोगों को सांस लेने में कठिनाई होती है। उन्होंने उच्चाधिकारियों से बाईपास पर डाले जा रहे कूड़े से निजात दिलाने की मांग की है। वार्ड सभासद पति मोहम्मद सराफत अल्वी ने बताया कि पालिका प्रशासन को अवगत कराया गया है। पालिका की टीम आग बुझाने में लगी हुई है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बिजेंद्र सिंह का कहना है कि पालिका की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। जल्द ही यहां से कूड़ा हटा दिया जाएगा।

रेप केस में बरेली कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बरेली। में एक लड़की को 4 साल, 6 महीने, 8 दिन यानी कुल 1653 दिन की सजा सुनाई गई। लड़की जब नाबालिग थी, तब उसने एक युवक पर रेप का केस दर्ज कराया था। बाद में मामला फर्जी निकला। बरेली कोर्ट ने आदेश दिया- लड़की की वजह से एक बेकसूर ने लंबे समय तक जेल में सजा काटी। जितने दिन वह जेल में रहा, उतनी ही सजा लड़की को होनी चाहिए। कोर्ट ने दोषी लड़की पर 5.88 लाख का जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ने पर कोर्ट ने कहा- युवक जितने दिन जेल में रहा, उसकी इनकम का आर्थिक नुकसान हुआ। इसकी भरपाई की जिम्मेदारी दोषी लड़की की है। दोषी लड़की से वसूला गया जुमार्ना युवक को दिया जाए। जुमार्ना नहीं देने पर लड़की को 6 महीने की सजा और काटनी होगी। कोर्ट ने जेल में बंद युवक को दोष मुक्त कर दिया। लड़की ने युवक पर नशीला पदार्थ खिलाने और दिल्ली ले जाकर रेप करने का आरोप लगाया था। मुकदमे में सुनवाई के दौरान लड़की ने खुद ही सभी आरोप झूठे बताए। मामला साल 2019 का है। अजय पर आरोप लगा था कि उसने 15 साल की लड़की को किडनैप किया। इसकी शिकायत लड़की के भाई ने पुलिस से की थी। लड़की का भाई अजय के साथ काम करता था। उस समय लड़की नाबालिग थी। पहले उसने भी पुलिस को बयान देते हुए कहा था कि अजय उसे दिल्ली ले गया। वहां उसके साथ गलत काम किया गया। सरकारी वकील सुनील पांडेय ने बताया- लड़की के आरोप के बाद अजय कुमार के खिलाफ पॉक्सो समेत कई धाराओं में FIR दर्ज की गई। लड़की ने कोर्ट में भी अजय के खिलाफ बयान दिया था। 4 साल बाद लड़की अपने बयान से मुकर गई। उसने कोर्ट को बताया कि अजय निर्दोष है। इसी साल फरवरी में सुनवाई के दौरान लड़की ने बताया कि वह अजय के काफी क्लोज थी। उसके रिलेशन के बारे में उसकी मां को सब कुछ पता चल गया था। मां को अजय बिल्कुल पसंद नहीं था। लड़की ने मां के दबाव में आकर अजय पर झूठा आरोप लगाया था। लड़की की अब शादी हो चुकी है। उसके पति ने कोर्ट को बताया कि वह ट्रायल के चलते तंग आ चुका है। इसलिए उसकी पत्नी बयान बदलना चाहती है। इसके बाद उसने फिर बयान दिया। कहा- उसके साथ किसी तरह का रेप नहीं हुआ। न ही उसे किडनैप किया गया था। सरकारी वकील सुनील पांडेय ने बताया- लड़की के आरोप के बाद अजय कुमार के खिलाफ पॉक्सो समेत कई धाराओं में ऋक्र्रू दर्ज की गई। लड़की ने कोर्ट में भी अजय के खिलाफ बयान दिया था। 4 साल बाद लड़की अपने बयान से मुकर गई। उसने कोर्ट को बताया कि अजय निर्दोष है। इसी साल फरवरी में सुनवाई के दौरान लड़की ने बताया कि वह अजय के काफी क्लोज थी।

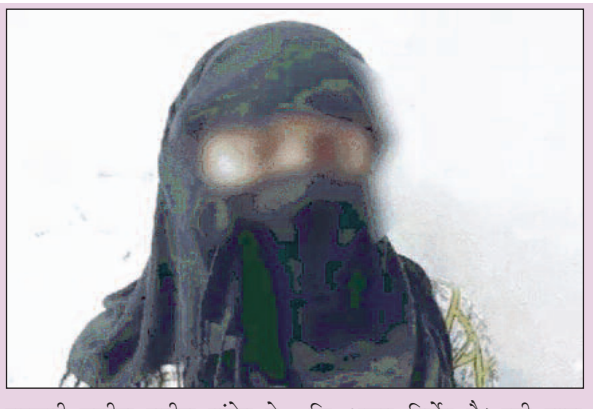

अमेरिकी बैंक क्यों हो रहे दिवालिया?

प्रहलाद सबनानी

पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है।

अमेरिका में वर्ष 2023 में 3 बैंक (सिलिकन वैली बैंक, सिगनेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक) डूब गए थे एवं वर्ष 2024 में भी एक बैंक (रिपब्लिक फर्स्ट बैंक) डूब गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अमेरिकी केंद्रीय बैंक, यूएस फेडरल रिजर्व, द्वारा ब्याज दरों में की गई वृद्धि के चलते बैंकों के असफल होने की यह परेशानी बहुत बढ़ गई है।

सिलिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी और यह अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था और हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है। इसी प्रकार, सिगनेचर बैंक ने न्यूयॉर्क कानूनी फर्म एवं अचल सम्पत्ति कम्पनियों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर रखी थीं। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 11,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति थी और अमेरिका में हाल ही के समय में डूबने वाले बड़े बैंकों में चौथे स्थान पर आता है। 31 जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की कुल सम्पत्तियां 600 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं जमाराशि 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर थीं। न्यू जर्सी, पेनसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में बैंक की 32 शाखाएं थीं जिन्हें अब फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में जाना जाएगा क्योंकि फुल्टन बैंक ने इस बैंक की सम्पत्तियों एवं जमाराशि को खरीद लिया है।

पीयू रिसर्च संस्थान के अनुसार, चार शताब्दी पूर्व, वर्ष 1980 एवं वर्ष 1995 के बीच अमेरिका में 2,900 बैंक असफल हुए थे। इन बैंकों के पास संयुक्त रूप से 2.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति थी। इसी प्रकार, वर्ष 2007 से वर्ष 2014 के बीच अमेरिका में 500 बैंक, जिनकी कुल सम्पत्ति 95,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, असफल हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अमेरिका में सामान्यतः बैंक असफल नहीं होते हैं। परंतु, इस सम्बंध में अमेरिकी रिकार्ड कुछ और ही कहानी कह रहा है। वर्ष 1941 से वर्ष 1979 के बीच, अमेरिका में औसतन 5.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 1996 से वर्ष 2006 के बीच औसतन 4.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं एवं वर्ष 2015 से वर्ष 2022 के

बीच औसतन 3.6 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकी बैंकों को 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ था। इसके पूर्व, वर्ष 1921 से वर्ष 1929 के बीच अमेरिका में औसतन 635 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। यह अधिकतर छोटे आकार के बैंक एवं ग्रामीण बैंक थे और यह एक ही शाखा वाले बैंक थे। अमेरिका में आई भारी मंदी के दौरान वर्ष 1930 से वर्ष 1933 के बीच 9,000 से अधिक बैंक असफल हुए थे। इनमें कई बड़े आकार के शहरों में कार्यरत बैंक भी शामिल थे और उस समय इन बैंकों में जमाकताओं की भारी भरकम राशि डूब गई थी। वर्ष 1934 से वर्ष 1940 के बीच अमेरिका में औसतन 50.7 बैंक प्रतिवर्ष बंद किए गए थे। अमेरिका में इतनी भारी मात्रा में बैंकों के असफल होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल है कि वहां छोटे छोटे बैंकों की संख्या बहुत अधिक होना है। बैंकों के ग्राहक बहुत पढ़े लिखे और समझदार हैं। बैंक में आई छोटी से छोटी परेशानी में भी वे बैंक से तुरंत अपनी जमाराशि को निकालने पहुंच जाते हैं, जबकि बैंक द्वारा इस राशि से खड़ी की गई सम्पत्ति को रोकड़ में परिवर्तित करने में कुछ समय लगता है। इस बीच बैंक यदि जमाकर्ता को जमाराशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है और इस प्रकार बैंक असफल हो जाता है। कई बार बैंकों द्वारा किए गए निवेश (सम्पत्ति) की बाजार में कीमत भी कम हो जाती है, इससे भी बैंकें अपने जमाकताओं को जमाराशि का भुगतान करने में असफल हो जाते हैं। अभी हाल ही में अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी की गई है, जिससे इन बैकों द्वारा अमेरिकी बांड में किये गए निवेश की बाजार में कीमत अत्यधिक कम हो गई है। अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व, का पूरा ध्यान केवल मुद्रा स्फीति को कम करने पर है एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग कम हो और मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाया जा सके। इसके चलते कई कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही है एवं देश में युवा वर्ग बेरोजगार हो रहा है।

पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है। अमेरिका में बैकों के असफल होने की समस्या मुख्यतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की गई वृद्धि के कारण उत्पन्न हुई हैं। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उत्पादों की मांग को कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करने के स्थान पर बाजार में उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए ताकि इन उत्पादों की कीमत को कम रखा जा सके। प्राचीन भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके कारण मुद्रा स्फीति की समस्या भारत में कभी रही ही नहीं है। बल्कि भारत में उत्पादों की प्रचुरता के चलते समय समय पर उत्पादों की कीमतें कम होती रही हैं। ग्रामीण इलाकों की मंडियों में आसपास ग्रामों में निवास करने वाले ग्रामीण व्यापारी एवं उत्पादक अपने उत्पादों को बेचने हेतु एकत्रित होते थे, सायंकाल तक यदि उनके उत्पाद नहीं बिक पाते थे तो वे इन उत्पादों को कम दामों पर बेचना प्रारम्भ कर देते थे ताकि गांव जाने के पूर्व उनके समस्त उत्पाद बिक जाएं एवं उन्हें इन उत्पादों को अपने गांव वापिस नहीं ले जाना पड़े। इस प्रकार भी विभिन्न उत्पादों की भारतीय मंडियों में मांग से अधिक आपूर्ति बनी रहती थी। अतः उत्पादों की कमी के स्थान पर उत्पादों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता पर ध्यान दिया जाता था, इससे प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मुद्रा स्फीति का जिक्र ही नहीं मिलता है। दूसरे, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक मॉडल एवं नियमों को बहुत जटिल बना दिया गया है। इससे भी कई प्रकार की आर्थिक समस्याएं खड़ी हो रही है जिसका हल विकसित देश नहीं निकाल पा रहे हैं।

संपादकीय

सहभागी और सक्रिय अदालतें

सर्वोच्च न्यायालय ने आपराधिक मामलों की सुनवाई में अदालतों को सहभागिता-सक्रियता का निर्देश दिया है। कहा है कि अदालतें गवाहों, खास कर गुमराह हुए गवाहों, के बयान दर्ज करने वाला टेप-रिकार्डर भर नहीं हैं। दरअसल, यह पैसिवनेस है, जो दोतरफा मार करती है। पहले तो सरकारी वकील ऐसे गवाहों के प्रति ढीले पड़ जाते हैं। वे उससे जरूरी सवाल भी नहीं करते जिनसे कि उसके मुकरने की सटीक वजह मालूम होती। कोई भी आपराधिक मुकदमा गुमराह गवाहों की बदौलत जीता जाता है। इसमें सरकारी वकील, जो अभियोजन पक्ष के होते हैं, वे अपने पैने सवालों से सच उगलवा सकते हैं, पर वे इन सवालों को जानबूझ कर टाल जाते हैं। उनका यह कतराना भी बिका हुआ होता है, जबकि उन्हें सरकार से मोटी पगार मिलती है। इस स्थिति में बदलाव के लिए सरकारी वकीलों के पदों को वकील की राजनीतिक निष्ठा के आधार पर नहीं, उसकी पेशेवर सक्षमता के अनुसार भरा जाना चाहिए। योग्यता और नैतिक निष्ठा सबसे जरूरी आस्पेक्ट है। गलत और अक्षम वकीलों के चयन से मुकदमा जरूरी स्टेज पर कमजोर होने लगता है। दोषी मुकदमा जीत जाता है। पीड़ित को कभी भरोसा ही नहीं होता कि उसकी सुनवाई निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से होगी, उसे अंततः न्याय मिलेगा। यहां सबसे बड़ी क्षति न्यायाधीशों की अ-सक्रियता से होती है, जब वे अपनी भूमिका को गवाहों के बयान दर्ज करने तक सीमित कर अ-सहभागी हो जाते हैं। यह दोहरा घाटा है। इससे न्याय के उस प्राथमिक सिद्धांत का खंडन हो जाता है, जिसे सुलभ कराने के लिए न्यायपालिका का गठन हुआ है। इससे बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय अदालतों से गवाहों से जिरही होने की ताकीद करती है ताकि सच का खुलासा हो सके। मुकदमे पर रोशनी पड़े। पीड़ितों को न्याय मिले। यह बिल्कुल वाजिब ताकीद है। प्रायः देखा गया है कि बड़े से बड़ा कांड, यहां तक कि नरसंहार मामलों में भी गवाहों के मुकरने और अदालतों के जिरही न होने से दोषी छूटते रहे हैं। इससे न्याय व्यवस्था की भारी किरकिरी होती रही है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश में इस नासूर हो चुकी स्थिति की एक बुनियादी पड़ताल है। अदालतों को सक्रिय होना है। इस अंदाज में कि अपराध का दूसरा पहलू सामने आ सके क्योंकि ह्यकोई अपराध आखिर में एक व्यक्ति के विरु द्ध ही नहीं, समाज के विरु द्ध भी होता है।ह्न क्या यह न्यायिक सक्रियता का आगाज है? नहीं, इसकी अपनी सीमा है पर यह कई बार न्याय व जन हित में लाजिमी है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें

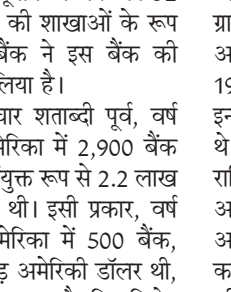

संजय गोस्वामी

देश में पहला लोकसभा चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से लेकर 21 फरवरी 1952 तक चला था। उस समय पूरे देश में चुनाव कराया एक जटिल प्रक्रिया थी। सबकुल नया भी था। भारत के पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन थे। चुनाव आयोग के पास बड़ी जिम्मेदारी थी। देश का पहला आम चुनाव 68 चरणों में कराया गया था। पहले इलेक्शन कमिशन ने तय किया था कि वोटिंग 1952 के फरवरी और मार्च महीने में होगी। लेकिन हिमाचल प्रदेश की चिनी तहसील के लोगों को अक्टूबर 1951 में ही मौका मिल गया, क्योंकि सर्दियों में बर्फबारी के चलते यह इलाका बाकी जगहों से कट जाता है। देश के पहले लोकसभा चुनाव में 401 निर्वाचन क्षेत्रों की कुल 489 सीटों के लिए मतदान हुआ था। तब बैलेट पेपर पर चुनाव हुआ करता था।संविधान हमें वोट देने का अधिकार देता है, जो एक मौलिक अधिकार है जिसका प्रयोग भारत के सभी नागरिकों को करना चाहिए। मतदान प्रतिशत में गिरावट को रोकने के लिए वर्तमान राजनीतिक रुझानों और प्रणालियों में आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। मतदान करते समय सतर्क रहना और सोच-समझकर निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। हाल के चुनावों के नतीजों में मतदाता मतदान में कमी देखी गई है, जिससे यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक बदलावों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है कि मतदाताओं को सरकार में एक सच्चा प्रतिनिधि मिले। भारत में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होकर और 1 एक जून तक वोटिंग होगी। सात फेज में इलेक्शन होंगे और 4 जून को नतीजे आएंगे। लेकिन ये बात भी गौर करने वाली है कि इस बार लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया 44 दिनों में पूरी होगी जो 1951-52 के पहले ससंदीय चुनाव के बाद मतदान की सबसे लंबी अवधि होगी। बता दें कि पहले चुनाव में वोटिंग 4 महीने से अधिक समय तक चली थी। इस बार निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा से लेकर मतगणना होने तक तक चुनाव प्रक्रिया कुल 82 दिनों में पूरी होगी। मतदान न केवल एक अधिकार है बल्कि एक कर्तव्य भी है जो हमारे देश के भविष्य को आकार देने में मदद करता है। इसमें सरकारों को बदलने, देश को बेहतर बनाने और सामाजिक परिवर्तन लाने की शक्ति है। मतदान करके, हम उन प्रतिनिधियों को चुनते हैं जो हमारे देश पर शासन करते हैं, इसलिए हमारे देश के विकास के लिए सभी नागरिकों के लिए इस प्रक्रिया में भाग लेना महत्वपूर्ण है। मतदान हमें उस प्रकार की सरकार में अपनी बात कहने का अधिकार देता है जो हम चाहते हैं और देश की प्रगति में योगदान करते हैं। यह हमें महिलाओं, बच्चों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के अधिकारों की वकालत करने में भी सक्षम बनाता है। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान छात्रों को लोकतंत्र में मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करते हैं। सभी के लिए जरूरी है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

'राहुल गांधी, आसान नहीं रायबरेली की डगर...!'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ पाने की हिम्मत के बाद आखिर परम्परागत रायबरेली से नामांकन दाखिल कर दिया। यह बात सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस सन्देश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यहां सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा।

क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी जमीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहां से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थी, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पाई है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहां लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहां तक कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रोबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए।

ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि कांग्रेस ने आनन-फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो सन्देश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहां कांग्रेस का परम्परागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू-गांधी परिवार की विरासत भी है।

कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नए सिरे से अपनी जमीन तैयार करनी पड़ती है। और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है। राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहां से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं।

मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। जब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसा तो तब हुआ, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, इसलिए कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अच्छी खासी जीत हासिल करती थी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। अब कांग्रेस के पास पहले जैसा वोट बैंक भी नहीं है, हालांकि इस चुनाव में सपा का समर्थन कांग्रेस के पास है, इसलिए चुनाव में सपा के कार्यकर्ता भी राहुल का प्रचार करेंगे, ऐसे में निश्चित ही कांग्रेस का वजूद बढ़ेगा ही, यह तय है, लेकिन कितना बढ़ेगा, यह कहने में जल्दबाजी ही होगी।

वर्तमान में कांग्रेस के लिए यह पेचीदा सवाल ही था कि कांग्रेस की ओर से अमेठी और रायबरेली से किसको उम्मीदवार घोषित किया जाए, क्योंकि इन दोनों सीटों पर प्रथम तो गांधी परिवार का पुख्ता दावा बनता था। इसलिए दोनों क्षेत्रों में से किसी एक से प्रियंका वाड्रा को चुनाव मैदान में उतारने की कवायद भी की जा रही थी, लेकिन प्रियंका को इस बार चुनाव लड़ने से दूर कर दिया। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी के रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कांग्रेस अमेठी के चुनाव को गंभीरता से लेगी, क्योंकि अब कांग्रेस का पूरा जोर राहुल गांधी को जिताने में लगेगा।

राहुल गांधी को जिताना कांग्रेस की मजबूरी है, क्योंकि अब राहुल गांधी ही नहीं, पूरी कांग्रेस की साख दांव पर लगी है। अगर कांग्रेस रायबरेली से चुनाव हारती है तो देश में कांग्रेस के बारे में गलत सन्देश जाएगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी आ रहा है कि राहुल गांधी द्वारा पिछले चुनाव में भी दो स्थानों से चुनाव लड़े थे, जिसमें अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वायनाड से उम्मीदवारी के बाद रायबरेली की रुख करके फिर से संदेह को जन्म दिया है। ऐसा लग रहा है कि इस बार वायनाड का चुनाव बहुत ही टक्कर का माना जा रहा है। कुछ खबरें तो राहुल गांधी के हारने तक की बात कह रही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसलिए ही राहुल गांधी को फिर से दो स्थानों से चुनाव लड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी का उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ना कोई नया नहीं है, वे अमेठी से भी चुनाव लड़ चुके हैं। इसलिए उनके नाम का जादू कोई नया प्रभाव छोड़ेगा, यह पूरी तरह विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता।

– सुरेश हिंदुस्तानी (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Taking on mighty Jewish lobby in US

THE course of Israel's nearly seven-month-old war on Gaza is not the reason for the protests that are now convulsing campuses in the US. It is only a symptom, not the disease. The disease is the stranglehold that Israel and the near-omnipotent Jewish lobby in the US have systematically developed and put on almost every important aspect of American life over many decades. Young Americans finally want to break free from the vice-like grip of the Jewish lobby, which makes a mockery of the choices and freedom that they are taught in schools to be embedded in the soul of the US.For Indian readers to understand this state of affairs, take the case of Arun Gandhi, grandson of the Father of the Nation. He moved to the US in 1987 to do research at the University of Mississippi. In 2001, he founded the MK Gandhi Institute for Nonviolence, initially at a university in Memphis, Tennessee, where Martin Luther King Jr was assassinated. The institute later shifted when the University of Rochester in New York State offered to house it on its campus. In 2008, Gandhi wrote an article in the 'On Faith' section of The Washington Post, in which he perspicaciously foretold some of what is now going on in Israel. The American-Jewish lobby was unforgiving. It got the University of Rochester to extract Gandhi's resignation from the institute he founded. Hundreds of Jews, mostly American, trolled him on The Washington Post website, where the moderators of the 'On Faith' section had to grovel and apologise to save their own skin and close the matter. Gandhi never wrote for this newspaper again. Other US newspapers attacked Gandhi in a media trial clearly influenced by the Jewish lobby. He profusely apologised for his initial post, but the American Jewish Committee said his apologies were inadequate. The redoubtable committee called his views 'reprehensible', as if he were a neo-Nazi, though he had only written a fraction of what today's campus protesters are saying about Israel.

The end result was that Gandhi's career in the US was finished. For successive years, he had been feted in state Capitols, at the iconic John F Kennedy Library and Museum in Boston, and became associated with the Parliament of the World's Religions, first held in Chicago in 1893, when it was addressed by Swami Vivekananda. But once the American Jews turned on Gandhi, no one in the US could stand up to their lobby. After several attempts to salvage his legacy, he returned to India and died a broken man in Kolhapur last year.

Shorn of the flood of disinformation, what are the US students demanding? Firstly, they want their rich alma maters, like Columbia University in New York — home to Wall Street — to disinvest from companies which profit from Israel's war against the people of Gaza. It is a legitimate demand. In such activism, the students are merely taking a leaf out of similar campus agitations in the 1980s demanding that US companies stop investing in racist South Africa. Those countrywide student protests forced the US Congress to sanction White-ruled South Africa under its Comprehensive Anti-Apartheid Act. The student protests subsequently spread to Europe and forced continental conglomerates to stop investing in countries that practised apartheid. Secondly, they want Columbia's prosperous university endowments to be transparent about their investments — a fair demand. Thirdly, they call for amnesty for all students and faculty who have participated in protests.

BJP, Congress manifestos highlight national security in contrasting ways

THE BJP's election manifesto covers several aspects of defence and national security, albeit in a fragmented manner. The government's achievements and pledges feature largely in the section named 'Modi ki Guarantee for Surakshit Bharat'. The party claims that there have been 'zero major terror attacks in any city since 2014'. The word 'city' is used tactically to justify the omission of the attacks in 2016 (Pathankot airbase and Uri) and 2019 (Pulwama). The implication is that there has been no incident in the past decade that can be compared to the Mumbai terror strikes of 2008.

Also mentioned are the impact of the revocation of Article 370 on the situation in Jammu and Kashmir, 52 per cent reduction in left-wing extremism-related violence and 71 per cent reduction in insurgency-linked violence in the North East. Reaffirming its zero tolerance to terrorism, the manifesto describes the surgical strikes of 2016 and the air strikes of 2019 as "examples of our dedicated efforts towards countering terrorism."The BJP has vowed to accelerate the development of robust infrastructure along the Indo-China, Indo-Pakistan and Indo-Myanmar borders and introduce technological solutions to make fencing smarter. However, there is no mention of the troubled border state of Manipur, which has been on the boil for the past year.

In the section 'Modi ki Guarantee for Global Manufacturing Hub', it's written under the sub-head 'Promoting Defence Manufacturing': "We will vastly expand domestic defence manufacturing and exports of Made in Bharat equipment. This effort will be facilitated by accelerating indigenisation in major air and land equipment platforms." Last year, on completing nine years in power, the BJP had highlighted its achievements by producing a booklet in which a chapter was titled 'Nation First: Foreign Policy and National Security'.

In the Congress manifesto, defence, external security and internal security are reviewed separately. It highlights the perceived loss of 2,000 sq km of territory and 26 of 65 patrolling points in Ladakh. The party has promised to unveil the National Security Strategy (NSS); revise the Defence Minister's Operational Directive last issued in 2009; institutionalise and make transparent the process of appointing the Chief of Defence Staff (CDS); reverse the decline in defence spending while allocating adequate funds; scrap the Agnipath scheme; bring the National Security Council and the office of the National Security Adviser (NSA) under parliamentary oversight; secure global supply chains for strategic materiel; rectify anomalies in the implementation of the OROP (one rank, one pension); and restore tax-free disability pension. The internal security provisions focus on eliminating hate speech and hate crime and preventing communal disaffection. The party has promised to 'operationalise' the National Intelligence Grid (NATGRID) and the National Counter-Terrorism Centre within a year. I think the Congress scores over the BJP in the intent and content of its defence and security objectives.

What is most surprising in the defence sector is the sub-2 per cent allocation, even as the GDP is steadily increasing. Capability development and efforts to catch up with China have suffered, even though capital expenditure has been integrated for the Services. The government's magic mantra to have more funds for modernisation through the skewed Agnipath scheme will take a decade or more to fructify. In 2022-23, the pension bill due to OROP arrears exceeded the modernisation budget, which BJP decided to redress by rightsizing the armed forces. This has resulted in deficiencies in the combat strength of fighting units. In 2022, the personnel shortfall was 1.18 lakh in the Army alone; this will grow exponentially as the retirement rate outpaces the recruitment intake because 75 per cent of the Agniveers will be demobilised after four years. One must pray that 'this is not an era of war' (a Modi aphorism) would be true for the region, even though two wars (in Ukraine and Gaza) are raging on.The government's flagship atmanirbharta project has been in focus for its greater emphasis on self-reliance than on state-of-the-art equipment, as the late CDS Gen Bipin Rawat had predicted. The L1 tender system is one of the culprits for inadequacy in quality. Defence exports have shot up, with the government giving lines of credit to friendly countries, which are buying mainly non-lethal equipment. The Defence Planning Committee consisting of the service chiefs and the NSA has yet to bring out the long-awaited NSS, which is one of the reasons for theaterisation being held up. A draft of the NSS was given to NSA Ajit Doval by the Integrated Defence Staff in 2021; this will require updating. Shedding the colonial legacy is proving to be an avoidable diversion for the armed forces, which must spend time on enhancing combat capabilities rather than on refashioning the military apparel.The most critical issue for the fighting forces is the resource crunch — and the ability to spend the capital allocation — which in the past decade has not crossed 2 per cent of the GDP despite the threat magnification. The mid/late 1980s were the heyday of national defence. The first tri-service 15-year defence plan was produced in 1988 and mentioned in Parliament.

The BJP has appointed five defence ministers in 10 years, one of whom was the Finance Minister but twice held the additional charge of defence. The Modi government appointed S Jaishankar, a former Foreign Secretary, as Foreign Minister, and he has transformed India's international image. Defence of the realm warrants similar political and professional attention. The new Defence Minister or MoS for defence must be endowed with military expertise. That will ratchet up decision-making and curb time and cost overruns for achieving atmanirbharta.

Toxic waste disposal

Extinguish the suffocating fumes in Nuh

THE incessant burning of toxic industrial waste at Khori Khurd and Khori Kalan villages of Nuh in Haryana, bordering Rajasthan's industrial town of Bhiwadi, paints a grim picture of environmental degradation and human suffering. Sadly, for over a decade, despite complaints to the authorities, the nearly 2,500 households of the twin villages have been enduring the suffocating fumes emanating from chemicals that are illegally disposed of, turning their homes into a hazardous gas chamber as hundreds of tonnes of chemical waste are brought to these sites and set afire every night. Their plight reflects the apathy of the authorities. The distressing accounts of a surge in chronic thoracic, pulmonary and ophthalmic ailments among children and elders underscore the urgent need to intervene. The adverse consequences extend to wildlife and crops, amplifying the ecological crisis.

Haryana has been at loggerheads with Rajasthan over the illegal discharge of industrial waste into Nuh. The failure to enforce regulations and curb illegal dumping activities points to a systemic disregard for the welfare of marginalised communities. The Central Government, along with state and local authorities, must take steps to shut down the illegal disposal units, impose stringent penalties on the violators and implement comprehensive remedial measures to mitigate the long-term effects of contamination.

he National Green Tribunal's (NGT) intervention could be crucial in ensuring accountability and a swift resolution of this problem. By taking suo motu cognisance of the matter, the NGT can mobilise resources and expertise to expedite corrective efforts and provide much-needed relief to the affected people. The special medical camps organised following the Nuh District and Sessions Court's order to the health authorities to assess the impact of waste fires are a welcome initiative.

No end in sight to US-China rivalry despite talks

A Trump comeback could provide new opportunities for China to sow fissures between the US and its allies.

US Secretary of State Antony Blinken's recent talks with his Chinese counterpart, Wang Yi, and Chinese President Xi Jinping ended in sharp recriminations. The Chinese side dismissed the US concerns about the Dragon's assistance to Russia in the Ukraine war and its massive exports of electric vehicles (EVs), batteries and solar panels to America. Blinken repeated the familiar US refrain on Taiwan sidestepping China's objection to its military aid. But despite their differences, China agreed to not only continue but expand its dialogue with the US on artificial intelligence, climate change and consular and people-to-people exchanges, signalling that bilateral cooperation was increasing.

There are several reasons behind the change in Beijing's attitude. First, China has realised that a modicum of decent relations with the US is a must to get American private investments, which bring along new technologies and greater market access and reduce China's isolation. Many American, European and other companies are guided by the state of the relations between the two nations in expanding their presence and committing new investments in China. Even Chinese private companies are not keen on making new investments in China unless they see a greater demand coming from the West. Some Chinese companies have moved to Mexico, Hungary, Vietnam, Malaysia and other countries to supply to the US and other markets, but these investments do not create jobs in China. The economic recovery requires a period of sustained good ties with the US to promote exports to the West and substitute the investments in the property sector with high-value green items.Second, several countries in South and East Asia — such as Japan, South Korea and the Philippines — are establishing closer political and defence ties with the US. Japan has conveyed its resolve to expand its military capabilities and export to other countries in the region. The ties among America, Japan, the Philippines and Australia have warmed up. There is talk of Japan joining the AUKUS alliance. In this environment, a good working relationship with the US would provide China with the necessary elbow room to focus on its economic revival, on which considerable pessimism is spreading in the West.

Third, only six months are left until the US presidential elections. A Trump comeback with his America First policy could provide new opportunities for China to sow fissures between the US and its European and Asian allies, weaken the US global leadership and accelerate its relative decline and China's ascent. Beijing is hoping that there may be reduced American support for Taiwan as Trump's views on the US global commitments are markedly different from those of Biden. President Xi is touring France, Hungary and Serbia this month to position China suitably in Europe so that these countries could prevent a transatlantic consensus emerging on the imposition of any anti-dumping duties by the EU against it.During the talks, Blinken complained that China had provided Moscow with semiconductors, drones and other materials that fill critical gaps in the Russian supply chains, and Russia would struggle to sustain its assault on Ukraine without China's assistance. Beijing held Washington responsible for "pouring munitions into Ukraine" while blaming China's normal trade with Russia and said it would not allow America to interfere or disrupt its right to have normal economic ties with Russia and other countries. Similarly, on the issue of its overcapacity, Chinese leaders said the Dragon only exported 12 per cent of its EVs against Germany's export of 80 per cent of its automobile production, Japan's 50 per cent and America's 25 per cent. It was not a market-driven argument; it reflected "an anxiety due to the lack of confidence and smears against China".

Beijing complained that Washington was "saying nice things while continuing harmful actions". The US had adopted an "endless stream of measures to suppress China's economy, trade, science and technology" and hurt the latter's interests through recent measures in the South China Sea and Taiwan (a reference to the US military exercises with Japan and the Philippines and America's military aid to Taiwan). The US was continuing to strengthen its alliances and sanctions directed against China. Beijing rejected the US claim of 'interference' in its presidential election.

At a press conference, Bliken vowed that the US would take strong action if "China failed to heed the US warnings about its support for Russia's war in Ukraine". China quickly dismissed Blinken's remarks as "influenced by domestic political considerations and an attempt to present a tough and uncompromising image toward China". It is quite clear that the détente between the two countries, claimed in a section of the global media, is superficial, and their relationship is underpinned by conflicting interests. America, which does not consider the Dragon even its equal, is working to weaken the latter's economic, technological and military progress by isolating it, containing its influence and retarding its progress through the strengthening of alliances and the application of sanctions and tariffs.The Chinese Communist Party continues to harbour 'imperial and expansionist' ambitions about the revival of the "Middle Kingdom through national rejuvenation" and would continue to strive for a world-class military equal to or even exceeding that of the US. These aspirations may be cloaked at times in conciliatory overtures or tactical moves to seek détente or improved ties. But China — with its allies like Russia, Iran and North Korea — will use every opportunity to weaken the US global leadership, its international standing and the America-led global order. In pursuit of these conflicting ambitions, the rivalry between the two countries would continue for a long time, marked by periods of varying intensity, with the avoidance of a full-scale conflict as much as possible, as that would be devastating for both countries and the rest of the world.

Gold, silver price t: Precious metals witness dip on MCX

New Delhi. Both gold and silver prices recorded a dip on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Tuesday, May 7, 2024.Gold futures, maturing on June 5, 2024, stood at Rs 71,305 per 10 grams on the MCX, after recording a marginal dip of Rs 64 or 0.09 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,369.

Similarly, silver futures, maturing on July 5, 2024, witnessed a downfall of Rs 78 or 0.09 per cent and were retailing at Rs 82,877 per kg on the MCX against the previous close of Rs 82,955.The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

April services PMI falls to 60.8 from Mar high

MUMBAI. The key services sector index has fallen to 60.8 in April considerably, down from a14-year high in March at 61.2, yet remaining strong driven by the second-best ever exports, according to an industry report.

As per the services PMI by HSBC Bank, data compiled by S&P Global, on Monday, the sector has made a strong start to the first quarter of the new fiscal with key index remaining at near 14-year high though marginally down from the last month. Report attributed the strong data to the buoyant domestic demand, apart from new business gains that companies made from several parts of the world, which collectively underpinned the second-quickest upturn in global sales since series started in September 2014.The strong numbers, noted the report, are in spite of rising wages and higher food prices which have led to another increase in cost burdens. "Despite falling from the high 61.2 in March to 60.8 in April, the seasonally adjusted HSBC Services Business Activity Index highlights one of the strongest growth rates seen in just under 14 years. Survey members attributed the latest upturn in output to favourable economic conditions, demand strength and rising intakes of new work" HSBC said. Business activity increased across the four sub-categories monitored by the survey, led by steep growth in finance & insurance.

No new entrant in spectrum bid this year

NEW DELHI. The forthcoming spectrum auction is expected to receive a muted response this year due to absence of new entrants and limited participation.

As per the Department of Telecommunication (DoT), only three private players — Reliance Jio, Bharti Airtel, and Vodafone Idea — have applied for participation in the spectrum auction scheduled for June 6, 2024.

In 2022, during the auction, Adani Data Network, an entity of Adani Enterprises, made headlines after participating in the spectrum auction, along with three private telcos. Initially there was speculation that it may enter the telecom industry; however, later on the company clarified that it would use spectrum for its businesses."Today is the last day for applications to participate in the spectrum auction, and only three applications have been received," said a DoT official.

In February 2024, the Cabinet approved auctions in eight spectrum bands for mobile phone services at a base price of `96,317.65 crore. The telecom ministry announced auctions for spectrum in 800 MHz, 900 MHz, 1800 MHz, 2100 MHz, 2300 MHz, 2500 MHz, 3300 MHz, and 26 GHz frequency bands. These auctions will be offered with a validity period of 20 years.As per the notification released by the DoT, the last date for submitting bid applications is May 6. Industry analysts believe this year telcos have already invested significantly in previous auctions, and this time, they only want airwaves in circles where their existing frequencies will expire shortly.

IT companies turn focus on Generative AI

BENGALURU. IT firms are now focusing on Gen AI as they collaborate to enhance their services to clients.

Wipro on Monday announced its partnering with Microsoft to launch a suite of cognitive assistants for financial services powered by generative Gen AI.

The cognitive assistants will provide financial professionals with deep market intelligence and relevant and timely information on investment products and investor behaviour, it said.

HCLTech also announced a global strategic collaboration agreement with Amazon Web Services (AWS) to accelerate GenAI-led enterprise digital transformation.

HCLTech and AWS will help enterprises explore and develop Gen AI-led use cases, proofs of concept, tools and solutions. They will develop a framework with target-based milestones aligned to business strategy that enables co-creation of customised Gen AI-led solutions and offers clients flexible consumption models.ipro's new cognitive assistants will run on Microsoft Azure Open AI and will be available on Azure App Services. The Wipro AI practice is working on over 10 GenAI ideas that are being developed as proof of concepts on Azure Open AI. Wipro has 55,000 AI associates across globe wit over 50% trained and skilled in Azure –AI/ML.

"Gen AI opens a new era of possibilities for exceptional client experiences and enhanced productivity in the financial services sector," said Suzanne Dann, CEO of Americas 2 Strategic Market Unit at Wipro.

Sebi declines NSE's proposal for extended trading hours

The National Stock Exchange (NSE) asked Sebi to extend derivatives trading hours from 6 pm to 9 pm to help monitor global activity.

New Delhi. The Securities and Exchange Board of India (Sebi) has declined a proposal from the National Stock Exchange (NSE) to extend trading hours in the derivatives segment due to a lack of agreement within the broker community."Currently, there is no plan to increase the timings (for trading) as SEBI has returned back the application which we had provided because the stock brokers seemed to have not given the feedback that SEBI wanted," said Ashishkumar Chauhan, NSE's chief executive, during a recent post-earnings call.The NSE had put forward a request to Sebi to extend the derivatives market trading hours by three additional hours, from 6 pm to 9 pm, to assist market participants in monitoring global activity.The proposed extension was planned in three phases: firstly, for index Futures & Options (F&O) from 6 pm to 9 pm; then until 11.30 pm in the second phase; and a third phase aiming to extend cash market hours until 5 pm.

The NSE believed that this extension would facilitate better hedging against negative global market news, especially since Indian markets close at 3:30 pm, coinciding with European market activity and preceding the opening of the US market around 7 pm India time.

NSE's financial results for the quarter ended March 31, 2024, saw a 20% year-on-year increase in net profit to Rs 2,478 crore, reflecting sustained positivity in equity markets.The exchange's revenue grew by 34% to Rs 4,625 crore during this period.Looking at the full fiscal year 2023-24 (FY24), NSE's profits rose by 13% year-on-year to Rs 8,306 crore, while revenues increased by 25% to Rs 14,780 crore.The NSE Board has recommended a dividend of Rs 90 per share (pre-bonus) for FY24, amounting to a payout of Rs 4,455 crore. This recommendation reflects the exchange's robust financial performance and its commitment to returning value to

Sensex, Nifty open in green; Hindustan Unilever shares gain

New Delhi Benchmark stock indices opened in green on Tuesday after closing lower in the last trading session amid high volatility.

Investor sentiment was driven by gains in consumer goods stocks and optimistic expectations of interest rate cuts by major global central banks.

The S&P BSE Sensex rose by 0.16% to reach 74,005 points, while the NSE Nifty50 climbed 0.2% to 22,491 points in early trading.Consumer goods stocks surged by 2.2%, led by Marico which saw a nearly 10% increase after announcing expectations of revenue growth outpacing volume growth by fiscal 2025.Godrej Consumer Products also experienced a notable gain of 6.7% in its fourth-quarter adjusted profit due to increased demand for its home and personal care items.Hindustan Unilever Limited shares advanced by 3.53%, trading at Rs 2,335.95, reflecting investor confidence in the company's performance.

Similarly, Britannia Industries rose by 2.4% following a stronger-than-expected quarterly profit announcement last Friday.

Powergrif Corporation of India Limited, JSW Steel Limited, Bajaj Auto Limited, Shriram Finance, and Reliance Industries Limited were the top losers on the Nifty50 index.Meanwhile, Asian shares reached 15-month highs as the European Central Bank expressed a growing inclination towards rate cuts, and the US Federal Reserve hinted at potential rate adjustments in the future.

GST enhances tax buoyancy to 1.22: Nirmala Sitharaman

NEW DELHI: The goods and services tax (GST) has enhanced tax buoyancy to 1.22 from 0.72 pre-GST, leading to increased revenue for states post the five-year compensation period, finance minister Nirmala Sitharaman tweeted on Monday."GST has improved tax buoyancy from 0.72 (pre-GST) to 1.22 (2018-23). Despite compensation ending, state revenues remain buoyant at 1.15. Without GST, states' revenue from subsumed taxes from FY19 to FY24 would have been Rs 37.5 lakh crore. With GST, states' actual revenue amounted to Rs 46.56 lakh crore," Sitharaman said.Even with the GST rate below the revenue neutral rate and COVID-19 impacting revenues, GST collections as a percentage of GDP have returned to pre-GST levels, showcasing that the Centre and states, by improving tax administration, can generate similar revenue with reduced taxpayer burden, the Minister stated.

"It is a myth that all GST collections are pocketed by the Centre. GST contributes significantly to state revenues. States receive 100% of SGST collected in that state, nearly 50% of IGST (i.e. on inter-state trade). A significant portion of CGST, i.e. 42% is devolved to the states based on the Finance Commission's recommendations," Sitharaman added.

The minister highlighted that reflecting a pro-poor stance, the effective weighted average GST rate has steadily decreased since 2017. Despite a suggested Revenue Neutral Rate of 15.3%, the actual rate was 14.4% in 2017, dropping further to 11.6% in 2019."GST lowered taxes on many essential items compared to pre-GST rates. Common items like hair oil and soaps saw tax cut from 28% to 18%. Electrical appliances taxed at 12% v/s 31.5% before. Movie tickets were taxed lower, too. Further tax rate rationalization has been done since 2017. National Anti-profiteering Authority ensured that companies passed the benefits to the consumers," she wrote. GST consolidated 17 taxes and 13 cesses into a simplified 5-tier structure, streamlining the tax system.Sanjaya Mishra first president of GSTAT

NEW DELHI: Finance Minister Nirmala Sitharaman on Monday administered the oath of Justice (Retd) Sanjaya Kumar Mishra as the inaugural President of the GST Appellate Tribunal (GSTAT), commencing the functionality of the tribunal. Mishra's appointment signifies the commencement of operations for the GSTAT, a vital entity for settling GST-related disputes.

"Union Minister for Finance and Corporate Affairs Nirmala Sitharaman administered the oath of integrity and secrecy to Justice (Retd.) Sanjaya Kumar Mishra as the President of the GST Appellate Tribunal (GSTAT), in New Delhi, today," the government statement said. Mishra, a former Chief Justice of the Jharkhand HC, was selected by a Search-cum-Selection Committee led by the Chief Justice of India.

What is the retail bond market opportunity

NEW DELHI . In a meeting last week, the board of the Securities and Exchange Board of India, the securities market regulator, said that it had approved amendments to the SEBI (issue of listing of NCD) Regulations 2021. The minimum face value of bonds issued through a non-convertible debenture or NCD offer is now reduced to R10,000 from R1,00,000 earlier.

or now, the corporate bond market in India is primarily institutional. Large financial institutions like insurance companies and mutual funds buy into corporate bonds through fixed-income funds they manage. The Sebi move allows you to use your broking account to buy bonds listed as securities for trading directly. These are non-convertible debentures that offer a coupon rate and trade for a market value based on the bond duration.Now, you may wonder about the need to introduce it when barely 3-4% of people own financial assets in India, let alone trade and invest in the stock market. You may also wonder about bond duration, coupon rate, yield-to-maturity, and many more new words. The increase in the complexity level of financial markets would put you in a tizzy if you sit on the sidelines looking to invest like most people in the country.Those who are into the market are surprisingly deep in it. India accounted for over 85% of the total equity index options contracts traded in 2023. According to data from FIA, a global trade organisation for futures, options, and centrally cleared derivatives markets, India's retail options trading volume has surged dramatically. It was revealed in the US recently that the US-based Jane's Street Group made $1bn in trading volume betting on Indian equity options.If you are new to investing, jumping into direct equity or derivative investing is hazardous. Many people follow the herd and invest without understanding where their money goes. A report by the Securities and Exchange Board of India published last year highlighted that 9 out of 10 traders lose money in the equity futures and options market. The dramatic surge in trading in equity index options shows that few are aware of the risks associated with trading in that segment.Financial markets are way more sophisticated than you think. The Jane's Group story is an exception and not a norm. Knowing everything about finance is not easy if you do not belong to the sector. Even if you are familiar with the financial sector, you must know about the risks associated with every security that trades in the markets. Equity, bonds, commodities and derivatives markets collectively can offer you a variety of avenues to invest.

Well-defined succession planning key to avoid disputes in business families: Vishwas Panijar

Panijar in an interaction with Dipak Mondal of The New Indian Express on the importance of amicable split of Godrej family business.

NEW DELHI. Vishwas Panijar, partner in business consulting firm Nangia Andersen LLP, who leads the firm's family office business, in an interaction with Dipak Mondal of The New Indian Express on the importance of amicable split of Godrej family business.

How significant is the Godrej family split in the context of Indian business history?

Considering the magnitude of the family operations that have been developed over the past century and its influence on Indian business landscape, the split may cause short-term instability in the market.

We have seen that in most cases, the fate of the transition is determined by how well the business, board, and family were prepared.What factors contributed to the split in the group business?

I would not want to speculate the factors behind the split, however going by the official statements as well as the Family Settlement Agreement, it appears to me that the fundamental reason for the split seems to be that the newer generation have diverse interest and perception of Growth for the Group.How important it is to resolve family disputes through amicable means, especially in the context of preserving both the family's legacy and the stability of the business?We have seen numerous instances of nasty family disputes coming into the limelight. In fact, we have been roped in some of these high-profile family disputes ourselves. Such disputes not only tarnish goodwill of the family but also seriously hamper stakeholder's confidence. A well-defined conflict resolution mechanism within the family can address this systematically to ensure that all family disputes are resolved amicably with minimum disruption to existing business.What insights can you share regarding effective succession planning strategies?

In my experience, clear and transparent

communication amongst family members regarding the vision for the business is the key contributor to developing an effective strategy for succession planning.While the family leaders play a significant role in setting the tone during the planning phase, it should be kept in mind that succession planning is not an exact science, but an art and hence should first begin with a simple question: Family first or business first?

How does the Godrej Family split serve as a case study for future generations of Indian entrepreneurs?

It is not the split per-se that is important but the manner in which Godrej Family was able to execute the split is a case-study on the 'business first' outlook and how to accommodate aspirations of the newer generation of family leaders in an amicable way without causing disruptions.What lessons can other family-owned businesses learn from the Godrej Family split?

Succession planning is a way for business leaders to have an element of control over the way in which their business passes to the next generation.Family leaders should proactively create a robust family charter that is foundationally rooted in the core values of the family but also flexible enough to survive multiple generations. Without formalised plans, it is easy for family members to disagree about how to manage the business when the leader steps away. By transparently articulating the rationale behind such decisions and ensuring equitable distribution, family leaders can promote harmony within the family.

Heatwave in 4 states, mercury to soar to 42 degrees in Delhi

New Delhi: The India Meteorological Department (IMD) said that heatwave conditions will continue in Rajasthan, Gujarat, Tamil Nadu and Karnataka on Tuesday, while the mercury will touch 42 degrees in Delhi. Amid the intense heat, the national capital on Sunday recorded its hottest day of the year, with a maximum temperature of 41.1 degrees Celsius, which was two notches above normal.he weather office had already warned that most parts of India are expected to record above-normal maximum temperatures this month.said that heatwave conditions will prevail in Rajasthan, west Madhya Pradesh and Gujarat for the next three days, while Kerala will witness hot and humid weather for five consecutive days.

On Monday, severe heatwave conditions prevailed in parts of West Bengal and Tamil Nadu, while a heatwave was reported in Odisha, Andhra Pradesh, Karnataka and Telangana.Heat wave conditions have continued in Odisha, Gangetic West Bengal, and Andhra Pradesh's Rayalaseema region since April 15, 17 and 24, respectively.

In the past 24 hours, Saraikela in Jharkhand recorded the highest maximum temperature at 45.1 degrees Celsius, followed by Kurnool (Andhra Pradesh) and Gulbarga (Karnataka) in second place at 43.8 degrees Celsius.eanwhile, the maximum temperature in Delhi on Tuesday is expected to soar to 42 degrees Celsius, with no respite from the heat for at least the next seven days, according to the IMD.The sky will remain partly cloudy, with the possibility of a thunderstorm, accompanied by gusty winds.

The previous hottest day recorded in Delhi was on April 27, when the maximum temperature settled at 40.5 degrees Celsius.

Meanwhile, the weather office also said 10 to 20 heatwave days are expected against a normal of four to eight in the entire April-June period.pril witnessed record-breaking maximum temperatures in east, northeast and south peninsular India, prompting health warnings from government agencies and some states to suspend in-person classes in schools.he areas and regions predicted to witness a higher number of heatwave days are Madhya Pradesh, Gujarat, Odisha, Andhra Pradesh, Madhya Maharashtra, Vidarbha, Marathwada, Bihar and Jharkhand.Some places may record more than 20 heatwave days.

Charanjit Singh Channi clarifies on his Poonch terror attack remarks

New Delhi: Former Punjab Chief Minister Charanjit Singh Channi issued a clarification about his remarks on the recent terror attack in Jammu and Kashmir's Poonch district after facing criticism from BJP leaders.He said the Centre exploits such terror attacks for political gain. Taking to X, he wrote, "Recently, my statement regarding this incident was published in newspapers, where I emphasised that whenever such incidents occur, the government often tries to exploit them for political gain."

"I always bow my head in reverence to the martyrdom of our army soldiers. The army has consistently done a tremendous job safeguarding our borders from

enemies. A few days ago, militants attacked a convoy of Indian Air Force soldiers in District Poonch (J&K), resulting in the martyrdom of a soldier. I pay my respects to the memory of the fallen soldier," he said.Channi on Sunday alleged that the attack was "pre-planned" and such "stuntbaazi" wa done by the BJP to win polls.

After Channi's remarks, several BJP leaders and leaders from the Congress parOne Indian Air Force (IAF) soldier was killed while four others were injured after their convoy was fired upon by terrorists in Jammu and Kashmir's Poonch district on Saturday, officials said. The attack occurred at Sanai village in Surankote.

"Cannot Leave Industry As Films Are Pending": BJP Candidate Kangana Ranaut

Mandi, Himachal Pradesh: Bharatiya Janata Party (BJP) candidate from Mandi Lok Sabha constituency Kangana Ranaut, who is currently busy in her election campaign said that she is not going to leave the film industry.In an interview with ANI, she said, "I cannot leave the industry right now as many of my films are pending."The BJP has fielded Kangana from Himachal Pradesh's Mandi in the Lok Sabha elections. The decision of Kangana Ranaut to contest from Mandi, Himachal Pradesh, a region with historical political significance, adds a layer of intrigue to the upcoming Lok Sabha elections. Mandi, known as a stronghold of the Congress party, presents a formidable challenge for Ranaut as she steps into the political arena.

The upcoming polls in Himachal Pradesh, scheduled for June 1, will not only witness the electoral battle for four Lok Sabha seats but also entail the contest for six Assembly seats that fell vacant following the disqualification of Congress MLAs.The Bharatiya Janata Party (BJP), aiming to maintain its dominance in the region, eyes victory once again after securing all four LS seats in 2019.The anticipation surrounding the election results will culminate in the counting process slated for June 4.The Mandi constituency, in particular, holds symbolic significance, being considered a bastion of the late former Chief Minister Virbhadra Singh's family. The seat, currently held by Pratibha Devi Singh, the late leader's wife, witnessed a bye-election in 2021 following the demise of BJP MP Ram Swaroop Sharma.

Research Body CSIR Asks Staff To Wear Wrinkled Clothes On Mondays. Here's Why

New Delhi: Till now, one had heard of 'Thank God It's Friday' or 'Casual Friday' dress code followed by many corporates. As part of this, employees avoid formal clothes on Fridays and turn up to work in semiformal relaxed outfits.

Now the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), the largest civilian network of research labs in India, has started a 'WAH Mondays' campaign -- WAH expanded to 'Wrinkles Acche Hai' (wrinkles are good). The idea is to get people to wear non-ironed clothes to work every Monday in a symbolic fight against climate change.Dr N Kalaiselvi, secretary of Department of Scientific and Industrial Research and the first woman director general of CSIR, says WAH Mondays is part of a larger energy literacy campaign. "CSIR

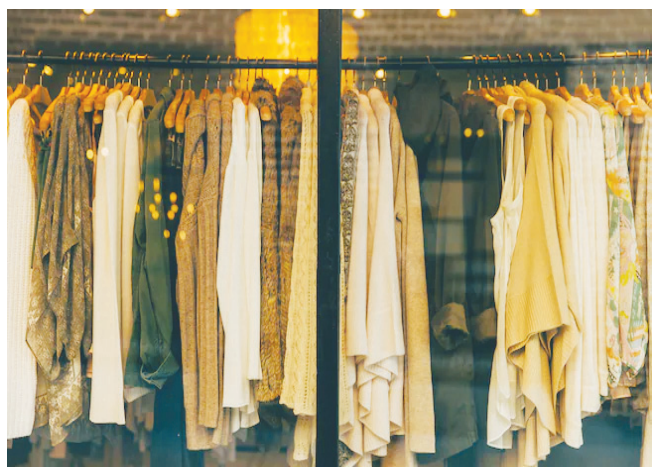

decided to contribute by wearing non-ironed clothes on Mondays. Ironing each set of clothes amounts to emission of 200 g of carbon dioxide. So, by wearing non-ironed clothes, one can prevent emission of carbon dioxide to the tune of 200 g," she said.The 'Wrinkles Acche Hain' campaign has been launched as part of the 'Swachhata Pakhwada' from May 1-15.As part of its larger initiative to save energy, CSIR is implementing a few standard operating procedures to reduce electricity consumption in all labs across the country, with an initial target of 10 per cent reduction of electricity charges at workplace.

These SOPs will be implemented during June-August 2024 as a pilot trial.Recently, the country's biggest climate clock was installed in the CSIR headquarters building in Delhi's Rafi Marg.

Jagan Reddy, Chandrababu Naidu Censured For Flouting Poll Code

Amaravati: The Election Commission on Monday censured YSRCP supremo and Andhra Pradesh Chief Minister Y S Jagan Mohan Reddy and opposition leader N Chandrababu Naidu for violating the Model Code of Conduct (MCC), directing them to "remain careful during public utterances".The poll body recognised that both the leaders have violated the provisions of the MCC by attacking each other with derogatory personal attacks during public addresses while electioneering in the southern state over the past several days."Therefore, the Commission…strongly censures Jagan Mohan Reddy, president, YSRCP with the direction to remain careful in his public utterances in the future," said Avinash Kumar, Principal Secretary, Election Commission, in an order addressed to the chief minister.

Mr Kumar issued a similar order to Telugu Desam Party (TDP) supremo Mr Naidu. "The Election Commission took note of Reddy hurling taunts such as 'habitual offender', 'rogue', 'sadist', and others at Naidu, including portraying him as a villainous character in some Tollywood movies." It also recognised the fact that Naidu took jibes at Reddy such as 'venom spewing', 'mayala fakir' (evil movie character), 'fake fellow' and others.Further, the Election Commission observed that both the leaders have not denied in their replies to the show case notices of using such words and statements, and also continued doing so.Hence, it directed Mr Naidu and Mr Reddy to remain careful in their public addresses in the future."The Commission expects that all political leaders follow the provisions of the MCC in letter and spirit, setting up an example for the political discourse," the poll body added.Elections for the 175-member Assembly and 25 Lok Sabha seats in Andhra Pradesh are scheduled on May 13 and counting of votes will be on June 4.

93 Seats Vote In Phase 3 Today, 25 Per Cent Turnout In 4 Hours: 10 Facts

New Delhi: Voting is on in 93 constituencies across 10 states and a Union Territory in the third phase today of the staggered seven-round Lok Sabha polls. The election in the Anantnag-Rajouri constituency in Jammu and Kashmir has been postponed to May 25.

Here are the Top 10 points in this big story:

Prime Minister Narendra Modi voted this morning at a polling booth in Ahmedabad. Union Home Minister Amit Shah, Congress president Mallikarjun Kharge, Health Minister Mansukh Mandaviya and Gujarat Chief Minister Bhupendra Patel, too, voted today. An average turnout of 25.4 per cent was recorded at 11 am, four hours after voting began. Today's election brings to an end polling on more than half of the 543 parliamentary seats and could mean that the country has already delivered a verdict. The BJP has won the Surat seat unopposed, as the Election Commission rejected the nomination of the Congress candidate and the other

contenders stepped down.

The Phase 3 election is in areas that are BJP strongholds. In 2019, the party won 72 of the 92 seats going to polls today, 26 of them in Gujarat alone.

The other state where the BJP had done extremely well, Karnataka, could be a dark horse given the massive sex scandal that has hit BJP ally Janata Dal Secular. The BJP has tried to distance itself from the scandal. Maharashtra, where 11 of 48 seats are going to polls, has proved harder to read given the seismic political shifts the state has seen over the last few years. The key battles will be Pawar versus Pawar in Baramati -- with the factions led by uncle Sharad Pawar and nephew Ajit Pawar trying to establish dominance.The states going to polls in phase 3 include Assam (4 seats), Bihar (5), Chhattisgarh (7), Goa (2), Gujarat (26), Karnataka (14), Madhya Pradesh (8), Maharashtra (11), Uttar Pradesh (10), West Bengal (4), Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu (2).

Polling will also take place in Betul, Madhya Pradesh, where the election due on Phase 2 was postponed following the death of a candidate from Mayawati's Bahujan Samaj Party.

BJP's Manoj Tiwari Richest Lok Sabha Contender In Delhi

Lok Sabha Elections 2024: Second in line is Ramvir Singh Bidhuri (71), the BJP's candidate in South Delhi, with total assets of ? 21.08 crore. According to his 2022-23 Income Tax returns, Bidhuri had an income of ? 14.93 lakh.

New Delhi: Bhojpuri singer-turned-politician Manoj Tiwari (53) is the richest among the prominent candidates from the BJP, AAP and the Congress in fray for the Lok Sabha elections in Delhi with total assets worth ? 28.05 crore.

Second in line is Ramvir Singh Bidhuri (71), the BJP's candidate in South Delhi, with total assets of ? 21.08 crore. According to his 2022-23 Income Tax returns, Bidhuri had an income of ? 14.93 lakh.The third richest among poll contenders is Mahabal Mishra (69), the AAP's candidate from West Delhi. He has declared ? 19.93 crore. Mishra's highest qualification is pre-university certificate from LS College Muzaffarpur, Bihar obtained in 1971.

Oxford-returned lawyer Bansuri Swaraj (40), daughter of former external affairs minister late Sushma Swaraj, with total assets worth ? 19 crore, stands fourth in the row, followed by former AAP leader Raaj Kumar Anand who jumped ships to the BSP and owns assets worth ? 17.87 crore.Ms Swaraj, who is the BJP's debutant contender from the New Delhi seat, owns two vehicles, including the high-end Mercedes Benz purchased in 2023, according to her self-sworn affidavit.She possesses one-sixth of joint property in Palwal, Haryana valued at ? 99.34 lakh and three flats in Delhi's posh areas -- two at Jantar Mantar and one at Hailey Road.In her election affidavit, Ms Swaraj revealed her income at ? 68.28 lakh in her Income Tax return filed for the year 2022-23.She is a lawyer by profession who earned her Barrister-at-

Law from Inns of Inner Temple, London, in 2007 and completed Master of Studies from St Catherines's College, University of Oxford, in 2009.Mr Tiwari, who is contesting from the North East Delhi seat from the BJP third time in a row, declared his income to be ? 46.25 lakh in his Income Tax returns filed for 2022-23. He stated that his sources of income are singing and acting, and as an MP.

He completed BA (Honours) from the Banaras Hindu University (BHU) from where he also did a masters in physical education in 1994.Mr Anand is the BSP's candidate from the high profile New Delhi seat. He declared in his poll affidavit that he has vehicles worth ? 51 lakh including that of his wife.Congress' Kanhaiya Kumar from North East seat contesting against Tiwari has a total asset of ? 10.65 lakh. He has a PhD from JNU that he completed in 2019.BJP's Kamaljeet Sehrawat from West Delhi seat declared her movable assets worth ? 1.30 crore and immovable assets worth ? 27.60 lakh in her poll affidavit. She is a Masters in Commerce from Himachal Pradesh University, Shimla.Praveen Khandelwal (64), the BJP's Chandni Chowk candidate, declared assets worth ? 6.62 crore. According to his Income Tax returns of 2022-23, he had an income of ? 4.56 lakh. He completed his graduation from Delhi University' Ramjas College.

NEWS BOX

Trump's V-P hopeful killed her dog, now says Biden's pet should be shot too

South Dakota governor Kristi Noem, already under fire for killing her family's 14-month-old dog and boasting about it, on Sunday took aim at another family's pet: Commander, Prez Joe Biden's bite-prone German shepherd.Appearing on CBS, Noem, a Republican, suggested that Commander, who was banished from the White House last fall after bloodying a number of Secret Service agents, should also have been put down.

"Joe Biden's dog has attacked 24 Secret Service people," she said. "So, how many people is enough people to be attacked and dangerously hurt before you make a decision on a dog?" Commander was sent to an undisclosed location after the Secret Service recorded 24 biting episodes.Noem, who had been widely seen as a contender to be ex-prez Trump's running mate, wrote in her new memoir about a female wire-haired pointer named Cricket that she had hoped to use to hunt pheasant on her ranch. She said the dog proved "untrainable", "dangerous to anyone she came in contact with" and "less than worthless" as a hunting dog - so she shot her in a gravel pit. "I hated that dog," she wrote.

Australia: China fighter released flares in our helicopter's path

MELBOURNE. Australia has protested to Beijing that a Chinese fighter jet endangered an Australian navy helicopter with flares in international waters, officials said Monday. The incident occurred on Saturday as the Australian air warfare destroyer HMAS Hobart was enforcing UN Security Council sanctions against North Korea in international waters in the Yellow Sea, the defence department said.

A Chinese Chengdu J-10 fighter jet released flares in the flight path of an Australian navy Seahawk deployed from the Hobart 300 metres in front of the helicopter and 60 metres above, defence minister Richard Marles said. "This was an incident which was both unsafe and unprofessional," Marles told Nine News television. "We will not be deterred from engaging in lawful activities and activities which are there to enforce UN sanctions in respect of North Korea," Marles added.

There were no injuries or damage, the defence department said, adding the Australian government expressed concerns to the Chinese govt. There was no immediate comment from Beijing on Monday.

Boeing capsule heads to ISS today in 1st crewed flight

CAPE CANAVERAL. Boeing Co's new Starliner astronaut capsule is poised for launch of its long-delayed inaugural crewed test flight to the International Space Station, two years after its first voyage without humans to the orbital laboratory.

The gumdrop-shaped CST-100 Starliner with two astronauts aboard was due for liftoff at 10.34pm (8.04am IST Tuesday) from Nasa's Kennedy Space Center in Florida, carried atop an Atlas V rocket furnished by the Boeing-Lockheed Martin joint venture United Launch Alliance (ULA).Riding aboard the Starliner, designed to carry up to seven crew members, are veteran Nasa astronauts Barry "Butch" Wilmore, 61, a retired US navy captain, and Sunita "Sunni" Williams, 58, a former navy aviator and test pilot. They have logged a combined 500 days in space over the course of two missions each to the space station. Wilmore is the designated commander for flight, with Williams in the pilot seat.

Although Starliner is designed to fly autonomously, the crew can assume control of the spacecraft if necessary, and the test flight calls for Wilmore and Williams to practice maneuvering the vehicle manually.If all goes as planned, the capsule will arrive at the space station after a flight of about 26 hours and dock with ISS early Wednesday. Wilmore and Williams are expected to remain at the space station for about a week before riding the Starliner back to Earth for a parachute and airbag-assisted landing in the US - a first for crewed Nasa missions. The Starliner will give Nasa its first alternative to sending astronauts to low-Earth orbit from US soil since Elon Musk's SpaceX began doing so in 2020.

FAA to investigate after Boeing says workers in South Carolina falsified 787 inspection records

SEATTLE: The Federal Aviation Administration said Monday it has opened an investigation into Boeing after the beleaguered company reported that workers at a South Carolina plant falsified inspection records on certain 787 planes. Boeing said its engineers have determined that misconduct did not create "an immediate safety of flight issue". In an email to Boeing's South Carolina employees on April 29, Scott Stocker, who leads the 787 program, said a worker observed an "irregularity" in a required test of the wing-to-body join and reported it to his manager.

"After receiving the report, we quickly reviewed the matter and learned that several people had been violating Company policies by not performing a required test, but recording the work as having been completed," Stocker wrote.

Boeing notified the FAA and is taking "swift and serious corrective action with multiple teammates," Stocker said.

No planes have been taken out of service, but having to perform the test out of order on planes will slow the delivery of jets still being built at the final assembly plant in North Charleston, South Carolina.Boeing must also create a plan to address planes that are already flying, the FAA said.

The 787 is a two-aisle plane that debuted in 2011 and is used mostly for long international flights."The company voluntarily informed us in April that it may not have completed required inspections to confirm adequate bonding and grounding where the wings join the fuselage on certain 787 Dreamliner airplanes," the agency said in a written statement. "The FAA is investigating whether Boeing completed the inspections and whether company employees may have falsified aircraft records."The company has been under intense pressure since a door plug blew out of a Boeing 737 Max during an Alaska Airlines flight in January, leaving a gaping hole in the plane. The accident halted progress that Boeing seemed to be making while recovering from two deadly crashes of Max jets in 2018 and 2019.Those crashes in Indonesia and Ethiopia, which killed 346 people, are back in the spotlight, too. The families of some of the victims have pushed the Justice Department to revive a criminal fraud charge against the company by determining that Boeing's continued lapses violated the terms of a 2021 deferred prosecution agreement.

In April, a Boeing whistleblower, Sam Salehpour, testified at a congressional hearing that the company had taken manufacturing shortcuts to turn out 787s as quickly as possible; his allegations were not directly related to those the company disclosed to the FAA last month. The company rejected Salehpour's claims.

In his email, Stocker praised the worker who came forward to report what he saw: "I wanted to personally thank and commend that teammate for doing the right thing. It's critical that every one of us speak up when we see something that may not look right, or that needs attention."

US company fined $650,000 for hiring children to clean meatpacking plants

World A Tennessee-based sanitation company has agreed to pay more than half a million dollars after a federal investigation found it illegally hired at least two dozen children to clean dangerous meat processing facilities in Iowa and Virginia.The US Department of Labor announced on Monday that Fayette Janitorial Service LLC entered into a consent judgment, in which the company agrees to nearly $650,000 in civil penalties and the court-ordered mandate that it no longer employs minors. The February filing indicated federal investigators believed at least four children had still been working at one Iowa slaughterhouse as of Dec. 12.

US law prohibits companies from employing people younger than 18 to work in meat processing plants because of the hazards.The Labor Department alleged that Fayette used 15 underage workers at a Perdue Farms plant in Accomac, Virginia, and at least nine at Seaboard Triumph Foods in Sioux City, Iowa. The work included

sanitizing dangerous equipment like head splitters, jaw pullers and meat bandsaws in hazardous conditions where animals are killed and rendered.

One 14-year-old was severely injured while cleaning the drumstick packing line belt at the plant in Virginia, the investigation alleged.

Perdue Farms and Seaboard Triumph Foods said in February they terminated their contracts with Fayette.

The agreement stipulates that Fayette will hire a third-party consultant to monitor the company's compliance with child labor laws for at least three years, as well as to facilitate training. The company must also establish a hotline for individuals to report concerns about child labor abuses.

A spokesperson for Fayette told The Associated Press in February that the company was cooperating with the investigation and has a "zero-tolerance policy for minor labor."The Labor Department has called attention to a growing list of child labor violations across the country, including the fatal mangling of a 16-year-old working at a Mississippi poultry plant, the death of a 16-year-old after an accident at a sawmill in Wisconsin, and last year's report of more than 100 children illegally employed by Packers Sanitation Services Inc., or PSSI, across 13 meatpacking plants. PSSI paid over $1.5 million in civil penalties.

The Labor Department's latest statistics indicate the number of children being employed illegally in the US has increased 88% since 2019.

Israel pushes on with Rafah offensive hours after Hamas accepts truce deal

Israel has commenced its planned military offensive in Rafah hours after Hamas accepted an agreement brokered by Egypt and Qatar for a ceasefire in Gaza aimed at ending the seven-month war. The Jewish nation said the Palestinian militant group's terms did not meet its "core demands" and planned to continue further negotiations on a truce agreement.

On Tuesday morning, the Israel Defense Forces announced that it was "conducting targeted strikes against Hamas terror targets in eastern Rafah".

The Associated Press said in a report, citing Palestinian and Egyptian officials, that Israeli tanks entered Rafah, the last Hamas stronghold in Gaza, reaching as close as 200 metres from the border with Egypt,In a statement on Monday, Hamas announced that it had accepted the deal and the group's chief, Ismail Haniyeh, informed the two mediating nations of its agreement. However, the office of Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said the deal fell short of the country's demands, and would send a delegation to meet the negotiators in an effort to reach an agreement, Reuters news agency reported.

On Monday, the Israel Defense Forces (IDF) issued evacuation orders to some 1 lakh residents of eastern Rafah after it struck the city in retaliation for a Hamas rocket attack on the Kerem Shalom border crossing.Israeli authorities said that three of its soldiers were killed in the Hamas attack, while Palestinian officials announced that the counter-attack in Rafah led to the death of 19 people, including a baby.

Here are the latest developments:Israeli forces reiterated its appeal to Palestinians to evacuate Rafah as strikes continue to pound the city. IDF spokesman Rear Admiral Daniel Hagari said "we also call upon those staying in specific areas which we have communicated and defined through every means - radio, media, internet, and flyers to leave", the BBC reported.

In response to the Israeli offensive, the armed wing of the Palestinian Islamic Jihad said its militants launched rockets towards southern Israel from Gaza and targeted "Sderot, Nir Am, and settlements in the Gaza envelope", reports AFP. The "Gaza envelope" refers to a zone of southern Israel close to the enclave.A senior Hamas official, speaking to AFP, said Israel must now decide whether it accepts or "obstructs" a truce after seven months of war.

Hamas member Taher Al-Nono told Reuters the truce proposal met the group's demands for reconstruction efforts in Gaza, return of displaced Palestinians and a swap of Israeli hostages for Palestinian prisoners in Israeli jails.

Pakistan SC suspends Peshawar HC order denying reserved seats to Imran-backed party

ISLAMABAD. Pakistan's Supreme Court suspended on Monday a high court verdict that a political party aligned with candidates backed by incarcerated former prime minister Imran Khan was not eligible for reserved seats for women and minorities in the national and provincial legislatures.

Since the Khan-led Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) was barred by the top court from contesting the Feb 8 elections under its traditional electoral symbol of a cricket bat on technical grounds, the party had subsequently struck an alliance with another party, Sunni Ittehad Council (SIC), in an attempt to secure reserved seats in parliament.

Under Pakistan's election rules, political parties are allotted reserved seats — (there are 60 for women and 10 for minorities in the National Assembly) — in proportion to the number of parliamentary seats they win in the election. This completes the NA's total strength of 336 seats.

In March, the Election Commission of Pakistan (ECP) had ruled that SIC was

not eligible for reserved seats and decided to distribute the seats among other parliamentary parties, with the ruling Pakistan Muslim League-Nawaz (PML-N) and the Pakistan Peoples Party (PPP) becoming major beneficiaries. The verdict was rejected by PTI as unconstitutional and the alliance had filed a plea against the electoral watchdog's decision in the Peshawar HC, but it rejected the appeal.

In response, SIC moved the Supreme Court last month urging it to allot the party the reserved seats in the national and provincial assemblies and set aside the Peshawar HC ruling.Accepting SIC's appeal for a hearing, the apex court clarified that the Peshawar HC order upholding ECP's decision was suspended to the extent of the remaining reserved seats distributed among other parties.

After losing the extra reserved seats, PM Shehbaz Sharif's coalition government had lost its two-thirds majority in the National Assembly.

In male-dominated China, women create secret nooks to voice their power

SHANGHAI. In bars tucked away in alleys and at salons and bookstores around Shanghai, women are debating their place in a country where men make the laws. Some wore wedding gowns to take public vows of commitment to themselves. Others gathered to watch films made by women about women. The bookish flocked to female bookshops to read titles like "The Woman Destroyed" and "Living a Feminist Life".Women in Shanghai, and some of China's other biggest cities, are negotiating the fragile terms of public expression at a politically precarious moment. China's ruling Communist Party has identified feminism as a threat to its authority. Female rights activists have been jailed. Concerns about harassment and violence against women are ignored or outright silenced. Prez Xi Jinping has diminished the role of women at work and in public office. There are no female members of Xi's inner circle or the Politburo, the executive policymaking body. He has invoked more traditional roles for women, as caretakers and mothers, in planning a new "childbearing culture" to address a shrinking population.

But groups of women around China are quietly reclaiming their own identities. Many are from a generation that grew up with more freedom than their mothers. Women in Shanghai, profoundly shaken by Covid lockdown in 2022, are being driven by a need to build community. "I think everyone living in this city seems to have reached this stage that they want to explore more about the power of women," said Du Wen, the founder of Her, a bar that hosts salon discussions. Frustrated by the increasingly narrow understanding of women by the public, Nong He, a film student, held a screening of documentaries about women by female Chinese directors. "I think we should have a broader space for women to create," she said.At quietly advertised events, women question misogynistic tropes in Chinese culture. "Why are lonely ghosts always female?" one woman recently asked, referring to Chinese literature's depiction of homeless women after death. "They share tips for beginners to feminism," said Tang Shuang, the owner of Paper Moon, which sells books by female authors.Anxiety about attracting the wrong kind of attention is always present. When Tang opened her store, she placed a sign in the door describing it as a feminist bookstore that welcomed all genders. "But my friend warned me to take it out because I could cause trouble by using the word feminism." There is always the possibility that officials will crack down. "They never tell you clearly what is forbidden," she said.

NEWS BOX

KKR spend night in Varanasi after flight fails to land in rain-hit Kolkata

A jubilant KKR team was not able to land in Kolkata on 6 May, Monday, due to thunderstorms in the city. KKR were forced to stay the night in Varanasi after their charter flight was diverted multiple times away from Kolkata. The Shreyas Iyer-led side would have hoped to take some time off after their massive 98-run win against LSG before they host MI at Eden Gardens. But that was not the case as they were stuck in the flight till 3 AM on Tuesday, 7 May morning.KKR's flight, originally scheduled to land in Kolkata on 6 May evening was first diverted to Guwahati due to bad weather and then they failed in their second attempt to land in Kolkata at midnight. After that, the flight was diverted back to Uttar Pradesh as they spent the night in Varanasi. KKR's social media team posted a detailed account of the ordeal on their social media.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

The Indian Meteorological Department had forecasted heavy thundershowers in Kolkata on Monday. The rain gave respite to the people in Bengal which was suffering through the worst heatwave seen in the recent times.

Kolkata experienced a brutal heatwave in April and May 2024, setting new records for

scorching temperatures. April saw an unprecedented number of extremely hot days, with nine exceeding 40°C – the highest ever recorded for the month in at least the past 26 years. The month ended with a bang, registering the hottest April day since 1954, with temperatures reaching a scorching 43°C. May continued the trend, with the 1st of May recording the highest temperature for that date in 24 years, reaching 42°C.“The thunderstorm that breaks the heatwave on Monday is likely to pull the mercury down three-four notches. One can expect about 10 mm-20 mm rainfall accompanied by a nor’wester. The rainfall activity is likely to linger till May 12 with smaller, isolated showers, after reaching its peak on Tuesday,” said Regional Meteorological Centre (RMC) scientist Sourish Bandyopadhyay to Times of India.

Tilak's confidence, Suryakumar's phenomenal knock impresses MI batting coach Pollard

New Delhi. MI batting coach Kieron Pollard lauded the confidence of the young Tilak Varma and hailed Suryakumar Yadav's match-winning hundred against SRH in the IPL 2024 match at the Wankhede Stadium. Suryakumar Yadav's remarkable century, complemented by a disciplined bowling display, paved the way for MI's convincing seven-wicket victory over SRH in the IPL 2024 match on Monday. Suryakumar's explosive 102 not out off just 51 deliveries marked his second IPL hundred, steering his team to a resounding win within 17.2 overs. Despite Hyderabad's recovery to post 173 for eight, MI surged from the bottom of the points table to ninth position, while Hyderabad, despite the defeat, held onto the fourth spot with 12 points from 11 games.

"His knock was phenomenal. He played the situation just about perfectly when he went in. It was a tricky situation where the ball was nipping around and moving around a bit. He got beaten a few times but held his nerve, and that's the sort of discipline we ask for," Pollard said in the post-match press conference after the win over MI.

"Then he got into his work about maneuvering the field, placing the gaps, and counter-attacking. But it's no surprise for us; that's how he practices and plays. And when he scores, and he scores big, you often come out on the winning side," Pollard added.MI's batting coach, Kieron Pollard, praised Tilak Varma's performance, noting his confidence while batting. Pollard expressed his satisfaction with the young player's consistent self-assurance whenever he takes to the crease. Joining hands with Suryakumar Yadav, Tilak Varma played a pivotal role in the chase, calmly adding 37 runs off 32 balls. Their unbroken 143-run partnership is now the highest fourth-wicket or lower alliance for MI in IPL history."He's a talented youngster. Since he entered our Mumbai Indians camp, he has done well for us over the last three seasons," he said on the impact and continuous rise to being a talisman for the Blue and Gold. We are delighted with the confidence he exudes every time he walks to the crease. We continue to encourage the talented youngsters to go out and play their game."

"You see, we were under pressure. Tilak came down to bat against Pat Cummins in the fifth over, and it's in two covers. We applaud his intent and bravery in the dressing room and encourage the guys to push the limits. We continue to push the boundaries. Tilak, he's a talent. Hopefully, he can continue to be successful and consistent in whatever cricket he plays," Pollard said.

Sanju Samson has been fantastic: Shane Bond praises RR captain's leadership in IPL 2024

- Shane Bond was impressed with Sanju Samson's leadership qualities
- RR have been impressive in IPL 2024, winning eight of their ten games
- The Royals have been riding high lately, securing the second

RR bowling coach Shane Bond has lauded captain Sanju Samson's leadership in the ongoing season, saying that the Rajasthan skipper has been brilliant with the bat too in IPL 2024.The Royals have been riding high lately, securing the second spot in the standings with eight wins out of ten matches. A victory against DC could catapult them back to the top, knocking Kolkata Knight Riders from their perch. Despite a nail-biting loss to SRH in their previous game, the atmosphere within the Royals' camp remains positive.I am really impressed obviously coming into this team for the first time. It's been fantastic, he (Samson) is a fun guy. I think what he has been learning for the couple of years is managing his time, managing his energy. IPL is an energy-sapping competition, especially the backend and it's exciting to see his leadership. He has played beautifully and I am happy that he has been selected in the T20 World Cup squad," Shane Bond said in the pre-match press conference.Their success this season can be attributed to their strong batting lineup, featuring Riyan Parag, Sanju Samson, Yashasvi Jaiswal, and Jos Buttler, all of whom have amassed over 300 runs each, a feat unmatched by any other team in the league. Additionally, the team can rely on the power-hitting prowess of Shimron Hetmyer and Rovman Powell, along with the promising talent of Dhruv Jurel in the lower order.RR have been impressive in the ongoing IPL, winning eight of their ten games and currently second in the points table. "We only lost 2 games in the tournament so we understand we are a tough team to beat. Credit to the boys, they played beautifully throughout the tournament," Bond added.

A significant subplot to look for on Tuesday is the battle between Pant and Samson. While both keeper-batters have been included in India's T20 World Cup team, it remains unclear who would be the ultimate choice for the playing 11. A solid IPL season finale might make the case for either of the two. When these two teams faced earlier this season in Jaipur, the Royals emerged victorious by a narrow 12-run margin. A similar result on Tuesday might effectively end DC's IPL campaign.

Australia coach McDonald backs captain Mitchell Marsh to be fit ahead of T20 World Cup

- Mitchell Marsh is expected to recover fully before T20 World Cup 2024
- Marsh has joined the pre-T20 World Cup training camp in Brisbane
- Andrew McDonald backed captain Mitchell Marsh to be back to full fitness

New Delhi Australia coach Andrew McDonald has backed captain Mitchell Marsh to be back to full fitness before the start of the ICC Men's T20 World Cup 2024. Marsh was pulled out of the IPL early last month due to a hamstring rupture, and his recovery has been far slower than planned since returning from India. Marsh joined a cohort of Australia's squad members, not engaged in the IPL, for the initial three-day pre-tournament training camp in Brisbane. Another such camp is scheduled over the next two weeks before the squad leaves for the Caribbean on May 25th. Initially, Marsh wasn't slated to attend the first camp due to his hamstring injury. However, his recovery allowed him to participate and bat in the nets over the last couple of days. Nonetheless, McDonald reiterated that Marsh's bowling fitness would only be

nearing completion closer to the tournament.You probably won't see him bowl in the next couple of weeks here," McDonald told reporters at Allan Border Field on Tuesday. "It'll probably happen the week before we leave. And then he'll be able to ramp that up when we're over there. We'll be able to cherry-pick the moments during the tournament where he'll be useful with the ball. We've got some all-round depth in the squad, which gives us good coverage anyway."[His recovery was] probably a little slower than expected on the back of the hamstring. But we've got plenty of time now that he has been ruled out the IPL. The first game is just short of a month away now. So ample time for him to get ready. But really positive to see the skipper on the park."McDonald said there was no concern about Marsh's lack of match practice over the last two months, given that Australia will play some practice games before their debut match against Oman. "No real concern about match fitness," McDonald said. "We've got a couple of practice games when we get to Trinidad in the support period. So he'll likely get plenty of match opportunities. And if not, we'll be able to simulate those through practice, which our coaching staff are pretty good at."

Erik ten Hag takes blame for Manchester United's thrashing vs Crystal Palace

New Delhi Manchester United's woes this season were laid bare again in their 4-0 Premier League hammering by Crystal Palace on Monday, but manager Erik Ten Hag believes he is the right man to fix a team that is limping to the end of the campaign.United had several injury issues ahead of the game and were forced to play midfielder Casemiro at centre-back, where he was exposed on a number of occasions as Palace’s mobile front three pulled their visitors apart.It leaves United in eighth with three league games remaining and facing several unwanted records.They currently have a club record number of losses (13) in a Premier League season and have already faced their most shots (618) in a single campaign.If they let in three more goals this term they will set a new mark for their most conceded in a campaign.

"I will keep fighting, I have prepared the team in the best way I can," Ten Hag told SkySports. "It (the performance) was not good enough and I have to take the

responsibility for that."But I will find the energy and prepare them for the next game. We have nine points to play for and we have to fight for those."The manager refused to lay the blame on Casemiro alone for the poor defensive display.You can’t put it on one player, it is a team performance. We did not adapt to the different situations," Ten Hag said. "It’s clear, we didn’t act how we want to, it’s not good enough."There are always reasons, everyone could see our backline today, where we had huge problems. But at the end of the day we have to deal with these issues and we should have done better."

Jake Fraser-McGurk comments on T20 World Cup snub: Didn't earn it yet

New Delhi. Young Australian batter Jake Fraser-McGurk was not named in the sides T20 World Cup 2024 squad despite an incredible showing over the last few months. Fraser-McGurk, who has lit the Indian Premier League 2024 in his debut season reacted to the decision from Cricket Australia. Speaking on the Willow Talk podcast, Fraser-McGurk showed incredible maturity and said that he thought that he had not earned the spot yet.

Australia have a packed top order with the likes of David Warner, Mitchell Marsh and Travis Head occupying the top spots. With Warner playing his final World Cup, it was going to be unlikely that Fraser-McGurk would get a shot in the playing XI of the Australian side."The communication was really good. There's two ways you can look at it. You can look at it through, 'this is what I've done to prove my case,' and then there's also, 'look, a month and a half ago I wasn't even in the picture.'" Fraser-McGurk said in the Willow Talk podcast.

IPL 2024: Jake Fraser-McGurk lights up IPL

"They probably had a good idea of what [the squad] was a month and a half ago, trying to build that and get the connection in the team. And it's also hard to fit in. You've got David Warner, our best opener ever in three formats. You've got Travis Head, who is lighting it up over here and has lit it up over the past 18 months. And then Mitch Marsh is the same and he's also the captain," he further added.HAPPY TO WAIT HIS TURNThe 22-year-old said that it was unlikely for him to make it to the top 5 batting positions in the playing XI and he was happy to wait his turn. The 22-year-old said that he hoped to make it to the travelling reserves of the group, which could be a great learning opportunity for him."I can't really see myself batting five or six because we're pretty set there with Tim David, Cam Green and those sort of blokes. That's the way I think about it. That's fine. There's hopefully going to be more time for that," Fraser-McGurk said."If I do somehow get a travelling reserve [spot] then great, I can get a good experience there," he further added.Fraser-McGurk concluded by saying that the snub did not bother him a lot and that he felt that he had not earned the position just yet.Australia's T20 World Cup Squad

Mitch Marsh (c), Ashton Agar, Pat Cummins, Tim David, Nathan Ellis, Cameron Green, Josh Hazlewood, Travis Head, Josh Inglis, Glenn Maxwell, Mitchell Starc, Marcus Stoinis, Matthew Wade, David Warner, Adam Zampa.

Exceptional' Suryakumar Yadav will have lot of influence in T20 WC: Simon Helmot

Mumbai. MI beat SRH by 7 wickets on Monday 6 May at the Wankhede Stadium in Mumbai. Suryakumar Yadav played a special innings against the Pat Cummins side, hitting 102* in just 51 balls. SRH assistant coach Simon Helmot lauded Suryakumar and said that the visiting team could do nothing when SKY was in that kind of mood. The top-ranked T20I batter got back into form in the nick of time ahead of the T20 World Cup and single-handedly took control of the chase after MI were 31/3.Speaking in the post-match press conference, Helmot said that Suryakumar will have a big influence in the T20 World Cup, later in June, which will be jointly hosted by the United States of America and West Indies. Helmot said that Yadav did not make any mistakes in the match.

"It's very difficult to bowl against Suryakumar Yadav. A very difficult batsman to match up with when he is in that sort of mood. He did not make many mistakes throughout the match. We did our best to mix things up and get him out but he was just too good tonight," Helmot said after the match.MI vs SRH, IPL 2024 Highlights | Scorecard

"Suryakumar is an exceptional cricketer and I think he is always going to demand a spot in the Indian team. I am sure that he will have an influence in the World Cup," he further added.MI vs SRH: Match Report

Mumbai came up with an all-round show to hurt Hyderabad's chances of reaching the IPL 2024 playoffs as the 5-time champions clinched a 7-wicket win at the Wankhede Stadium on Monday, May 6. The 5-time champions, who are no longer in the race for the playoffs, played the party popper's role to perfection. Suryakumar Yadav battled discomfort in his legs to hit a match-winning 102 not out in 51 balls after captain Hardik Pandya and Piyush Chawla shone with the ball to help MI get off the bottom spot in the points table.

IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full Schedule

Chasing 174 on a pitch that was the bowlers' friend for most of the game, MI were reduced to 31 for 3 after their top-order batters, including Rohit Sharma and Ishan Kishan, were dismissed for single-digit scores. However, Suryakumar Yadav and Ishan Kishan stitched 143 runs for the 4th wicket in just 69 deliveries as they helped Mumbai complete the chase in just 17.2 overs.

Alia Bhatt

Makes India Proud in Saree at Met Gala; Paparazzi Scream Her Name on Red Carpet

Alia Bhatt is an undisputed queen of fashion. The global icon takes the internet by storm every time she walks the red carpet. And her this year's Met Gala look was no exception. Alia hit the Met gala red carpet wearing an absolutely stunning saree designed by Sabyasachi.Interestingly, Priyanka's entry in the traditional outfit received the loudest cheers on the red carpet at the Met gala. International paparazzi couldn't stop screaming Alia's name as she posed for them on the red carpet. Needless to say, her look garnered much love and appreciation from fans as well. One fan shared on X, "Now this is how you serve at the #MetGala Alia Bhatt looks amazing!!!" Another one said, "Alia Bhatt is the best dressed already sorry #MetGala." During her red carpet interview with Vogue, Alia expressed her excitement to represent India in a saree."I'm feeling great. I'm feeling very excited. Months of preparation, lots of conversations and all builds up to this one moment. It's so surreal but it's also very special. It's my second time at the Met, but my first time wearing a saree. When I thought of the dress code, 'Garden of Time', I felt it needed something timeless and there's nothing timeless than a saree," Alia told Vogue. Check out her red carpet interview below:Last year, in an exclusive chat with News18 Showsha, Alia had recalled walking the Met Gala 2023 red carpet among some of the biggest names in Hollywood. "The little girl in me was just making sure that I don't fall down on the red carpet and that I was getting enough time to pose, take a breath and enjoy the moment," she told us.

While it made for a historic moment, Alia made sure that the pressure didn't bog her down. "It's not about giving yourself too much pressure and taking it seriously. It's a massive and big deal but it was also about having fun and light on the inside, so that your face looks lit up and happy. That's something I was focusing on. Having said that, I really had a lovely time," she said.Meanwhile, on the film front, Alia will soon be seen in Jigra. The film is directed by Vasan Bala and jointly produced by Alia and Karan Johar. She has also signed Sanjay Leela Bhansali's Love and War alongside Ranbir Kapoor and Vicky Kaushal.

BLACKPINK's Jennie Flaunts Her Midriff in Sexy Wrap-around Dress at Met Gala; Fans Lose Calm

BLACKPINK's Jennie is breaking the internet with her sensational Met Gala 2024 look. The K-pop star sent her fans into meltdown as she graced the Met Gala 2024 red carpet wearing a wrap-around blue dress that showed off her midriff. The dress featured a long train draping from her shoulder. This marks Jennie's second appearance at the Met Gala, having first attended in 2023. At the time, she wore a vintage Chanel dress: a strapless white minidress.Fans went crazy after seeing Jennie's Met Gala red carpet look and showered their beloved star with cheesy compliments. One user wrote, "Everyone is calling her name "Jennie right here" for a picture this is just insane." Another one said, "Look how gorgeous she is."

Jennie was spotted at South Korea's Incheon airport leaving for New York City on May 2, 2024, which made fans speculate about her 2024 Met Gala appearance.Last month, Jennie dropped an exciting music video with Zico. Titled 'Spot', the music video offered a glimpse into what seemed to be an electrifying release from the two. While Jennie, one of the most popular K-pop stars, can be seen lending her voice and featuring alongside Zico, the music video also featured some goofy moments as the duo immersed themselves in the rhythm of the track, dancing, and vibing to the music amidst the urban backdrop of the city.On the work front, Jennie recently launched her solo label Odd Atelier, while also remaining associated with her agency for group activities with BLACKPINK. Zico's last musical outing was the mini album Grown Ass Kid in July 2022. Following that, he is now gearing up to mark his comeback almost after 21 months.

Heeramandi Actor Shruti Sharma Reacts to Sharmin Segal Being Trolled: 'I'm Very Concerned for Her'

Sharmin Segal, who is Sanjay Leela Bhansali's niece, has been receiving a volley of criticism for her "expressionless" performance in Netflix series 'Heeramandi'. A section of the internet even claims that "nepotism got her this role". Now, actor Shruti Sharma, who played Sharmin's maid in 'Heeramandi', has come out in her support.In an interview with Pinkvilla, Shruti said that she was unaware about Sharmin being subjected to hate comments on social media. She said, "Honestly, I wasn't aware that people were trolling her until now. I don't know what audiences have liked or not liked about Sharmin, but I've seen her trying her best like everyone else on the sets. It doesn't matter who's being trolled, but trolling is a bad thing to do."She added, "Criticism is one thing; healthy criticism is always welcome, but trolling is unacceptable. It is a very negative way of approaching anyone. It is a kind of mental harassment. If it is happening, I am very concerned for her right now."Sharmin, the daughter of Bella Bhansali Segal and Deepak Segal, plays the role of Alamzeb in the show, which boasts an ensemble cast of acclaimed actors like Manisha Koirala, Sonakshi Sinha, Richa Chadha, Shekhar Suman, and Aditi Rao Hydari

While Manisha, Sonakshi and Aditi have been getting much love and appreciation for their solid performances, Sharmin has been receiving a huge backlash for "holding the same expression" throughout the show. Following the constant negativity, Sharmin has turned off comments on her recent picture of her with Sanjay Leela Bhansali at the Los Angeles premiere of Heeramandi.

Sharmin made her acting debut with Bhansali's production 'Malaal' in 2019. The film co-starred Meezan Jafri. Having closely worked with Bhansali as an assistant director on projects like Goliyon Ki Raasleela Ram-Leela, Bajirao Mastani and Gangubai Kathiawadi, Sharmin went on to star in the horror comedy 'Atithi Bhooto Bhava'..

Heeramandi Co-director Snehil Dixit Mehra on Vivek Agnihotri's Criticism: 'He Should Watch It First

Sanjay Leela Bhansali's latest outing Heeramandi: The Diamond Bazaar has left the internet divided. While some have heaped praise on it, others have shared their reservations regarding the casting, the performances and the story. In fact, Vivek Ranjan Agnihotri recently took to social media to express his disapproval of the series, citing that it glorifies the lives of courtesans when brothels are in fact 'monuments of human injustice, pain and suffering'.

In an exclusive chat with News18 Showsha, Snehil Dixit Mehra, one of the additional directors of the historical drama series, reacts to Agnihotri's post and states, "I believe that he hasn't seen the show. Heeramandi isn't about the glorification of tawaifs. The show is set against the backdrop of the 1920s and the 1940s. At that time, tawaifs were ruling the roost."Taking us through the research the writing team, along with Bhansali, went through, Snehil reveals that data showed that tawaifs were treated like 'queens' and reiterates Heeramandi rightly conveys what it had set out to. "We did extensive research before making the show. There was an insight that we found during our research which was that these tawaifs were so rich that even when they fudged their numbers, they were paying more taxes than the nawabs," she says.She further continues, "They had a lot of wealth and power that they had a lot of influence over nawabs and politicians so much so that they would come to seek advice from these women. At that time, girls belonging to legitimate families were kept in purdah and weren't allowed to get taalim. But tawaifs had taalim on everything – they could learn art, read and write. They were very sharp women. They had a very powerful position in the society."Sharing her stance on how the makers of Heeramandi have stuck to the truth rather than veering away from it just for cinematic liberty, she remarks, "With the freedom struggle and British trying to break the nautch girls, they lost their dignity in the process. This is the story we've chosen to say. It's not about the glorification of the tawaifs; it's just what the story is. He (Agnihotri) should watch the series first to understand what we're trying to convey."

Snehil, also a content creator, shot to instant fame with her videos, a take on middle-class Indian life, through the portrayal of a character named BC Aunty. Talking about how Bhansali reacted to her funny videos on the internet, she tells us, "He adores them. When I was interviewing for the job, he told me that I should have a sense of humour if I want to work with Bhansali Productions. I very proudly showed my videos to him and told him that this is what I do on the side. He laughed a lot!"sShe adds, "At that time, he was making Gangubai Kathiawadi. He made me repeat BC Aunty dialogues to Alia (Bhatt). She was so amused and was like, 'What's going on? Who're these people?' Bhansali sir was very supportive of that part of my profile too!"